पंजाब में पांच राज्यसभा सीटों पर भी चुनाव होना है। आम आदमी पार्टी की ओर से क्रिकेटर हरभजन सिंह राघव चड्ढा संदीप पाठक अशोक मित्तल व संजीव अरोड़ा ने नामांकन पत्र दाखिल किया है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 97 दिनांक: 22-03-2022 मंगलवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

राष्ट्रपति से पद्मश्री लेने आए 125 साल के स्वामी शिवानंद ने मोदी को किया प्रणाम, सम्मान में खुद झुक गए प्रधानमंत्री

आस्ट्रेलियाई पीएम का प्रस्ताव, हिंद प्रशांत क्षेत्र में पीएम मोदी करें लोकतांत्रिक देशों का नेतृत्व

नई दिल्ली । यूक्रेन पर हमले को लेकर रूस को घेरने में जुटे अमेरिका व इसके सहयोगी देश भारत पर भी लगातार दबाव बनाने की रणनीति अपनाए हुए हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ दूसरे वर्चुअल शिखर बैठक में आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्काट मारिसन ने यूक्रेन पर हमले के लिए सीधे तौर पर रूस को जिम्मेदार ठहराया। मारिसन ने इस घटनाक्रम को हिंद-प्रशांत महासागर की स्थिति से जोड़कर पीएम मोदी से इस क्षेत्र में लोकतांत्रिक देशों का नेतृत्व करने का भी प्रस्ताव रखा।

शिखर बैठक में चीन के आक्रामक रवैये और हिंद प्रशांत क्षेत्र में उसकी बढ़ती गतिविधियों को लेकर भी खुल कर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच चीन पर आर्थिक निर्भरता कम करने और आपसी कारोबार व सैन्य सहयोग को प्रगाढ़ बनाने समेत दूसरे मुद्दों पर भी बातचीत हुई। हालांकि, इस तरह की शिखर बैठक के बाद दोनों देशों की तरफ से जारी होने वाला संयुक्त बयान देर रात तक जारी नहीं किया गया था। यूक्रेन और रूस के बीच विवाद पर भारत ने अभी तक अपनी स्वतंत्र व तटस्थ कूटनीति का पालन किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह रूस के खिलाफ किसी भी वोटिंग में उपस्थित नहीं रहा है। साथ ही अब वह रूस से कच्चे तेल की खरीद भी कर रहा है। यह बात अमेरिका व दूसरे पश्चिमी देशों को खटक रही है।

यही वजह है कि सोमवार को अमेरिका के सहयोगी व मित्र देश आस्ट्रेलिया ने भारतीय पीएम के समक्ष रूस पर करारा प्रहार किया तो इसके दो दिन पहले जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने पीएम मोदी के साथ मुलाकात के दौरान कहा था कि रूस हर अंतरराष्ट्रीय मानकों का उल्लंघन कर रहा है और किसी भी देश को यथास्थिति बदलने की छूट नहीं मिलनी चाहिए। हाल ही में कई अमेरिकी नेता भी रूस के प्रति भारत के रुख पर अपनी नाखुशी जता चुके हैं।

मारिसन ने कहा, 'हमारी बैठक यूरोप में हो रहे भयंकर युद्ध की पृष्ठभूमि में हो रही है। हमारे क्षेत्र पर भी बहुत ज्यादा दबाव है जिस पर हाल ही में क्वाड (अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया व भारत के संगठन) के प्रमुखों की बैठक में चर्चा हुई थी। यह बहुत ही निंदनीय व भयंकर घटना है जिसका असर हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी देखा जा सकता है। हम इस तरह की घटनाक्रम यहां भी देख रहे हैं। यूक्रेन में आम जनता की जो मौतें हो रही हैं उसके लिए रूस को जिम्मेदार ठहराने की जरूरत है। परंतु, एक मुक्त व समान अवसर वाले हिंद प्रशांत क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक समान विचारों वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच सहयोग जरूरी है और मैं इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान रखने के लिए आपके (नरेंद्र मोदी) के नेतृत्व का स्वागत करता हूं।'

जानकारों का कहना है कि आस्ट्रेलिया के पीएम ने एक कूटनीतिक दांव खेला है क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने स्वयं हाल के दिनों में इस बात पर चिंता जताई है कि यूक्रेन में जो हुआ है उसका असर हिंद प्रशांत क्षेत्र में देखने को मिल सकता है। हालांकि इस बैठक में पीएम ने अपने संक्षिप्त सार्वजनिक बयान में यूक्रेन व रूस के हालात का जिक्र नहीं किया। पीएम मोदी ने हिंद प्रशांत क्षेत्र को सभी के लिए समान अवसर वाला बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई और आस्ट्रेलिया के साथ इस बारे में सहयोग की बात की। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय व वैश्विक स्थिरता के लिए क्वाड की सफलता जरूरी है। बाद में मीडिया को विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने बताया कि मोदी और मारिसन इस बात पर एकमत हैं कि यूक्रेन की वजह से क्वाड का ध्यान भटकना नहीं चाहिए। भारत का यह स्पष्ट तौर पर मानना है कि यूक्रेन का मुद्दा क्वाड को प्रभावित नहीं करना चाहिए। जहां तक यूक्रेन पर भारत की स्थिति का सवाल है तो आस्ट्रेलिया हमारे रुख को समझता है। पीएम मारिसन ने यह दर्शाया भी है।

श्रृंगला ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच चीन को लेकर भी बात हुई है। भारत की तरफ से पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में चीन के सैनिकों के अतिक्रमण के मुद्दे पर पीएम मारिसन को बताया गया। भारत का मानना है कि सीमा पर अमन-शांति के बगैर चीन के साथ रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। आस्ट्रेलिया की तरफ से भी हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन के व्यवहार के बारे में बताया गया है।यह भी बताते चलें कि इस बैठक से पहले दोनों पक्षों की तरफ से बताया गया था कि मोदी और मारिसन एक सीमित कारोबारी समझौते की घोषणा करेंगे लेकिन अब उसके टल जाने की बात कही गई है।

132 लोगों को लेकर जा रहा चीनी गुआंग्शी इलाके में हुआ क्रैश

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के गुआंग्शी इलाके में 132 लोगों को लेकर जा रहा विमान सोमवार को क्रैश हो गया। चीनी मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोइंग 737 विमान में 130 से ज्यादा लोग सवार थे, यहां गुआंग्शी इलाके के वुझोउ शहर के बाहरी हिस्से में गिरा। कहा जा रहा है, हादसे के चलते पहाड़ पर आग लग गई। फिलहाल अथॉरिटीज ने बचाव दल को मौके पर भेजकर राहत कार्य तेजी से किया जा रहा है, लेकिन अभी हादसे की वजह सामने नहीं आ सकी है। विमान हादसे का कारण जानने के लिए ब्लैक बॉक्स की बरामदगी जरूरी है, जिसके तेजी से तलाश की जा रही है।

हादसे का शिकार हुआ विमान 6 साल पुराना था। यह घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:11 पर हुई थी। विमान उस वक्त हादसे का शिकार हुआ, जब वह 3,225 फुट की ऊंचाई पर उड़ रहा था। विमान की दोपहर 3 बजकर 5 मिनट पर लैंडिंग होनी थी। चीनी एयरलाइन इंडस्ट्री की सेफ्टी के रिकॉर्ड के मामले में दुनिया के टॉप देशों में शुमार किया जाता है। एविएशन सेफ्टी नेटवर्क के मुताबिक चीन में आखिरी बार भीषण हवाई हादसा 2010 में हुआ था, जब एम्ब्रेयर ई-190 जेट क्रैश हो गया था। इस हादसे में कुल 44 लोग मारे गए थे, जबकि विमान में 96 लोग सवार थे।

विमान में कुल 123 यात्री सवार थे,जबकि 9 लोग क्रू मेंबर थे। रिपोर्ट में कहा गया है, 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का बोइंग 737 एयरक्राफ्ट तेंगशियांग काउंटी में क्रैश हुआ है, जो वुझोउ शहर के पास स्थित है। इस हादसे के चलते पहाड़ पर आग लग गई। यह विमान 2015 में आया था। इस विमान में कुल 162 सीटें होती हैं, लेकिन सवारियां थोड़ी कम थीं। इसमें 12 बिजनेस क्लास की सीटें थीं, जबकि इकॉनमी क्लास के लिए 150 सीटें इसमें हैं। अभी मरने वालों की संख्या के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

आजाद-पूनावाला सहित इन हस्तियों को मिला पद्म पुरस्कार, 126 साल के स्वामी शिवानंद ने जीता दिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित अलंकरण समारोह में कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद सहित कई हस्तियों को साल 2022 के पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं, पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री... हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दो हस्तियों को पद्म विभूषण, आठ को पद्म भूषण और 54 को पद्म श्री से सम्मानित किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद सहित कई हस्तियों को आज राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया। आजाद को सार्वजनिक क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए पद्म भूषण पुरस्कार दिया गया। पैरालंपिक रजत पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को भी मिला पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया। इसके अलावा एसआईआई के एमडी सायरस पूनावाला ने व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में पद्म भूषण प्राप्त किया। सीडीएस जनरल बिपिन रावत को मरणोपरांत पद्म विभूषण दिया गया जो उनकी बेटियों कृतिका और तारिणी की ने लिया।

पूर्व सीडीएस जनरल बिपिन रावत (मरणोपरांत) और गीता प्रेस के दिवंगत अध्यक्ष राधे श्याम को पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया।रिपोर्ट के मुताबिक राधे श्याम खेमका को साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में पद्म विभूषण (मरणोपरांत) से सम्मानित किया गया। कोविंद ने खेमका के पुत्र कृष्ण कुमार खेमका को उनका पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रपति ने जनरल बिपिन रावत की बेटी कृतिका और तारिणी को उनका पुरस्कार दिया।

वहीं कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, पंजाबी लोक गायक गुरमीत बावा (मरणोपरांत), टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन, पूर्व सीएजी राजीव महर्षि , कोविशील्ड के निर्माता सीरम इंस्टीटयूट आफ इंडिया के साइरस पूनावाला सहित अन्य हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। पैरालंपिक रजत पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया को पद्म भूषण, जबकि हाकी खिलाड़ी वंदना कटारिया को पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

केंद्र सरकार ने 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों का एलान किया था। कुल 128 नामों का चयन किया गया था। इस साल पद्म विभूषण के लिए कुल चार नाम चुने गए, जबकि 17 हस्तियों के नाम पद्म भूषण के लिए चुने गए थे। इसके अलावा 107 लोगों को पद्मश्री सम्मान के लिए चुना गया। वाराणसी के 126 वर्षीय स्वामी शिवानंद जब पद्मश्री लेने पहुंचे तो उन्होंने कुछ ऐसा किया कि पूरा हाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। स्वामी शिवानंद ने राष्ट्रपति भवन में पुरस्कार लेने से पहले तीन बार अपना शीश नवाया। उन्होंने राष्ट्रपति के आगे भी शीश नवाया जिसेक बाद रामनाथ कोविंद ने आगे बढ़कर उन्हें उठाया और सम्मानित किया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भारी वर्षा व तेज हवा के साथ दस्तक देगा चक्रवाती तूफान असनी, सभी तैयारियां पूरी, सेना अलर्ट पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी में पिछले कुछ दिन से बना निम्न दबाव का क्षेत्र सोमवार के बाद प्रबल होकर चक्रवातीय तूफान असनी के रूप में कहर बरसा सकता है। तूफान की वजह से संभावित जान-माल की हानि की संभावनाओं को देखते हुए सभी जरूरी तैयारियां की गई हैं। सेना को भी अलर्ट पर रखा गया है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मछुआरों को समुद्र में जाने से मना किया गया है। निचले इलाकों से अंडमान प्रशासन ने स्थानीय लोगों को खाली कराना शुरू कर दिया है। अंडमान में भारी बारिश शुरू होने का अंदेशा है। सेना के जवानों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। उधर मौसम विभाग ने देश के उत्तर पश्चिम भागों में अगले दो दिनों तक तापमान में कमी का पूर्वानुमान लगाया है।

मौसम विभाग के निदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया निम्न दबाव का क्षेत्र दक्षिण बंगाल से अडमान और निकोबार द्वीप समूह में पहुंच चुका है। यह अंडमान निकोबार से होते हुए म्यांमार और बांग्लादेश की ओर मुड़ जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक पहले तेज हवाओं के साथ आंधी आएगी और यह प्रबल होकर चक्रवातीय तूफान में बदल जाएगा। मौसम विभाग के मुताबिक अंडमान में हवा की रफ्तार 65 किलोमीटर प्रति घंटे से 75 किलोमीटर तक पहुंच सकती है। शाम तक इसकी रफ्तार में और तेजी आएगी। अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी में सामुद्रिक हलचलें तेज होने की संभावना है।

इसके अलावा पूर्व मध्य और उससे सटे दक्षिण पश्चिम और उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में सामुद्रिक हलचलें तेज हो गई है। सोमवार को अंडमान द्वीप समूह के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा और गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। इसके बाद भारी बारिश की आशंका जताई गई है। आसन्न खतरे को देखते हुए जहाज, एयरक्राफ्ट, हेलीकॉप्टर, आपदा प्रबंधन टीम आदि को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

अंडमान प्रशासन का कहना है कि किसी भी अनहोनी से बचने के लिए लोगों को निकालने की पूरी व्यवस्था है। एनडीआरएफ टीम के 100 कर्मियों को 6 रिलीफ कैंप में लगाया गया है। तटरक्षक जहाज मछुआरों को बंदरगाह तक ले जा रहे हैं। 22 मार्च तक सभी अंतर-द्वीपीय सेवाओं को रद्द करने का आदेश दिया गया है। अंडमान में चक्रवात के कारण सभी स्कूल-कॉलेज भी बंद कर दिए गए हैं।

चक्रवातीय तूफान का असर देश के अधिकांश भागों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक तापमान में गिरवाट आएगी जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। अगले दो दिनों तक अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। देश के बाकी हिस्सों में अगले पांच दिनों तक तापमान में कोई खास परिवर्तन नहीं होगा। पश्चिमी विक्षोभ के कारण राजस्थान में 25 से 35 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी। इसके प्रभाव से पश्चिमी हिमालय के कुछ इलाकों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। जबकि केरल माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अगले पांच दिनों तक हल्की बारिश की संभावना है।

चीन विमान दुर्घटनाः भारत हुआ सतर्क, डीजीसीए ने भारतीय बेड़े में शामिल बोइंग-737 विमानों की बढ़ाई निगरानी

नई दिल्ली,चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक बोइंग 737-800 विमान सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया।इसके बाद भारत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारतीय विमानवाहक पोतों के बोइंग 737 बेड़े की निगरानी बढ़ा दी है।

चीन में विमान बोइंग 737 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद भारत में नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने भारतीय विमानवाहक पोतों के बोइंग 737 बेड़े की निगरानी बढ़ा दी है। डीजीसीए के प्रमुख अरुण कुमार ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तीन भारतीय एयरलाइन कंपनियों स्पाइसजेट, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस के बेड़े में बोइंग 737 विमान शामिल हैं।

चीन में सोमवार को हुई दुर्घटना के बाद जब पूछा गया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय क्या कदम उठा रहा है। इस पर अरुण कुमार ने कहा कि उड़ान के दौरान सुरक्षा गंभीर मुद्दा है। हम स्थिति का बारीकी से अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने 737 बेड़े की निगरानी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस का एक बोइंग 737-800 विमान सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ये विमान कुनमिंग से ग्वांगझाओ जा रहा था। विमान वुझोउ शहर के टेंग्ज़िआन काउंटी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में 123 यात्रियों और चालक दल के नौ सदस्य मौजूद थे। आधिकारिक मीडिया ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त चीनी यात्री विमान में सवार 132 लोगों में कोई विदेशी नहीं था।

बोइंग 737 मैक्स विमान बोइंग 737- 800 का उन्नत संस्करण है और दोनों 737 श्रृंखला से संबंधित हैं। अक्टूबर 2018 से लेकर मार्च 2019 के बीच छह महीने की अवधि में हुई विमान दुर्घटनाओं में दो बोइंग 737 मैक्स विमान शामिल थे। इन दुर्घटनाओं में कुल 346 लोग मारे गए थे। इन दो दुर्घटनाओं के बाद उर्ओं ने मार्च 2019 में भारत में बोइंग 737 मैक्स विमानों पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद बोइंग द्वारा संतुष्टि के लिए आवश्यक सॉफ़्टवेयर सुधार किए गए। जिसके बाद इस विमान के वाणिज्यिक संचालन पर प्रतिबंध पिछले साल अगस्त में 27 महीने बाद हटा लिया गया था।

सुरक्षा बलों को कार्रवाई की पूरी छूट, आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्क तुरंत ध्वस्त करो : अमित शाह

नई दिल्ली (ईएमएस)। दो दिनों के दौरे पर जम्मू कश्मीर आए गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के लिए फंड जुटाने वाले कश्मीरी कारोबारियों, अलगाववादियों, पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं पर सुरक्षाबलों को कार्रवाई की खुली छूट देते हुए उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा है। शाह ने कहा सुरक्षा बल जल्द से जल्द आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्कों को ध्वस्त करें।

घाटी में बड़ी संख्या में कारोबारियों और स्थानीय लोगों का नेटवर्क है, तो विभिन्न तरीके से आतंकियों की सहायता करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी कई लोग जेल में बंद अलगाववादी नेता मसर्रत आलम, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, बिट्टा कराटे जैसे लोगों के संपर्क में हैं। जो इनके इशारे पर देश-विदेश में बैठकर आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटा रहे हैं।

दिल्ली-दोहा फ्लाइट की कराची में आपात लैंडिंग

-3 घंटे बिना खाना-पानी के रहे यात्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली से दोहा उड़ान भरने वाली कतर एयरवेज की फ्लाइट को कराची एयरपोर्ट पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। इस फ्लाइट में 100 से अधिक यात्री सवार थे। एयरलाइन ने इस संबंध में एक बयान जारी कर बताया है कि विमान के कार्गो एरिया में धुएं के संकेत मिलने पर पायलट ने आपात लैंडिंग के लिए कराची एयरपोर्ट एटीसी से इजाजत मांगी, जिसके बाद विमान को सुरक्षित उतारा गया। फ्लाइट में सवार एक भारतीय यात्री ने अपने, अपने परिवार और अन्य यात्रियों की परेशानी के बारे में मनी कंट्रोल को टेक्स्ट मैसेज के जरिए जानकारी दी। विक्रम पसरीचा अपनी पत्नी और एक साल की बेटी के साथ दिल्ली से दोहा की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विमान सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे कराची में उतरा। यात्रियों को विमान से उतरने के लिए कहा गया और उन्हें जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ट्रांजिट लाउंज में भेज दिया गया।

उन्होंने आगे लिखा, 'तीन घंटे तक पानी, भोजन को अता पता नहीं। यात्रियों द्वारा एयरपोर्ट स्टाफ से कहने के बाद ही खाना, चाय का पानी मुहैया कराया गया। इस फ्लाइट में वरिष्ठ नागरिक, बच्चे थे।' उन्होंने कहा कि यात्रियों को अपने परिवार से संपर्क करने के लिए वाईफाई सर्विस भी नहीं दी गई। केवल पाकिस्तानी नंबर पर ही वाईफाई का उपयोग कर सकते थे। यात्री अपने परिवार को कोई भी जानकारी देने में सक्षम नहीं थे।

हरभजन, राघव चड्ढा और संदीप पाठक जाएंगे राज्यसभा, दो नामों ने सबको चौंकाया

चंडीगढ़ । आम आदमी पार्टी की तरफ से राज्यसभा के लिए घोषित नामों में शामिल दो नामों ने सभी को चौंका दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि अभी तक ये नाम कहीं भी चर्चा में नहीं थे। पंजाब से राज्यसभा के लिए आम आदमी पार्टी ने पांचों नामों का एलान कर दिया है। इन सीटों के लिए क्रिकेटर हरभजन सिंह, पंजाब के आप सह प्रभारी राघव चड्ढा, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर संदीप पाठक के नाम घोषित किए गए हैं। वहीं लिस्ट में शामिल दो नामों ने सभी को चौंका दिया है।

आप ने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर अशोक मित्तल और कृष्णा प्राण ब्रेस्ट कैंसर केयर चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक संजीव अरोड़ा के नाम का भी एलान किया है। मित्तल और अरोड़ा का नाम अभी तक कहीं चर्चा में नहीं था। सभी उम्मीदवारों ने अपना नामांकन भर दिया है। वहीं पंजाब विधानसभा में जीतकर पहुंचे प्रताप सिंह बाजवा ने सोमवार को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया।

वहीं आम आदमी की तरफ से राज्यसभा के लिए नामित किए गए उम्मीदवारों पर कांग्रेस नेता सुखपाल खैरा ने कहा कि गैर-पंजाबी उम्मीदवार बनाना जनादेश का अपमान है। हम हरभजन सिंह के नाम का स्वागत करते हैं, लेकिन राघव चड्ढा सहित अन्य नामों का नहीं...पंजाब में बाहर से किसी को बर्दाश्त नहीं करेंगे। अपना पक्ष रखने के लिए यह सीएम की परीक्षा है।

हरभजन सिंह के क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से उनके राजनीति में आने की चर्चाएं तेज थीं। आप सूत्रों के अनुसार, हरभजन सिंह को पंजाब में एक खेल विश्वविद्यालय का प्रमुख बनाया जा सकता है। नामांकन भरने के बाद हरभजन सिंह ने कहा कि मैं कोशिश करूंगा कि खेलों में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़िया बनाया जाए। मेरा मकसद रहेगा कि खेलों को बढ़ावा मिले। मैं कोशिश करूंगा कि सबकी उम्मीदों पर खरा उतरूं। वहीं संदीप पाठक लंदन से स्नातक हैं और पंजाब जीत में उनकी बड़ी भूमिका थी। रविवार को नवनिर्वाचित विधायकों से बातचीत के दौरान भी अरविंद केजरीवाल ने पाठक की तारीफ की थी।

वहीं 33 साल के राघव चड्ढा सबसे युवा राज्यसभा सदस्य बन सकते हैं। पंजाब में मिली ऐतिहासिक जीत में उनका बड़ा योगदान था। राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने पहुंचे राघव चड्ढा ने कहा कि इतनी कम उम्र में मुझे नॉमिनेट करने के लिए मैं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और पंजाब के सीएम भगवंत मान को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं पंजाब के लोगों का मुद्दा उठाऊंगा और संसद में उनके हितों की रक्षा करूंगा। अशोक मित्तल लवली लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक हैं। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी दुनिया के सबसे बड़े निजी विश्वविद्यालयों में से एक है। वे पंजाब में शिक्षा क्षेत्र में काफी लंबे समय से काम कर रहे हैं। वहीं संजीव अरोड़ा लुधियाना के बड़े व्यवसायियों में शामिल हैं। वे कृष्णा प्राण ब्रेस्ट कैंसर केयर चैरिटेबल ट्रस्ट चलाते हैं।

पंजाब में राज्यसभा सांसद कांग्रेस के प्रताप सिंह बाजवा और शमशेर सिंह दूलो, अकाली दल के सुखदेव सिंह ढींडसा और नरेश गुजराल के अलावा भाजपा के श्वेत मलिक का कार्यकाल खत्म हो रहा है। पंजाब के विधानसभा चुनाव में आप ने 117 में से 92 सीटों पर विजय हासिल की है। इस कारण से राज्यसभा की खाली हो रहीं पांच सीटों पर आप के प्रत्याशियों की जीत होनी तय है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच बुधवार को ब्रसेल्स और पोलैंड की यात्रा पर जाएंगे राष्ट्रपति बाइडेन

वॉशिंगटन (ईएमएस)। रूस बीते 26 दिनों से यूक्रेन पर हमलावर है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन पर रूस के जारी हमलों के बीच उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय सहयोगियों के साथ बातचीत के लिए अपनी आगामी यूरोप यात्रा के दौरान पोलैंड जाने का निर्णय लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बताया कि बुधवार को वॉशिंगटन से रवाना होने वाले बाइडन पहले ब्रसेल्स और फिर पोलैंड जाएंगे, जहां वह देश के नेताओं से मुलाकात करेंगे।

पोलैंड, यूक्रेन का पड़ोसी देश है। पोलैंड ने युद्धग्रस्त देश से पलायन करने वाले 20 लाख से अधिक लोगों को शरण दी है। पोलैंड ने हमेशा नाटो के अपने साथी सदस्यों से यह रक्तपात रोकने के लिए अधिक प्रयास करने की अपील की है। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने पहले कहा था कि बाइडन की यूक्रेन की यात्रा करने की कोई योजना नहीं है। बाइडन और नाटो ने बार-बार कहा है कि अमेरिका और सैन्य गठबंधन, गैर-नाटो सदस्य यूक्रेन को हथियार और अन्य रक्षा सहायता प्रदान करेंगे, लेकिन वे अपनी तरफ से रूस के साथ व्यापक युद्ध के जोखिम को बढ़ाने वाले किसी भी कार्रवाई से बचने के लिए भी दृढ़ हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच शुक्रवार को एक घंटा 52 मिनट तक बात हुई।

बाइडन ने चीन को चेतावनी दी कि अगर उसने रूस को ठोस मदद पहुंचाई, तो उसके 'परिणाम' होंगे। लेकिन शी पर इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने अमेरिका और नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने की सलाह दे दी। द्विपक्षीय मामलों पर भी शी के तेवर सख्त रहे। बाइडन ने कहा अमेरिका एक नया शीत युद्ध नहीं चाहता। चीन की अंदरूनी व्यवस्था को बदलने की भी उसकी कोई इच्छा नहीं है।

बाइडन ने कहा कि अमेरिका ताइवान में अलगाववाद को समर्थन नहीं देगा। इस पर शी ने कहा चीन और अमेरिका के संबंधों में मौजूदा तनाव का कारण अमेरिका में ऐसे लोगों का मौजूद होना है, जिन्होंने दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच बनी सहमतियों के अनुरूप आचरण नहीं किया है। साफ तौर पर उन्होंने तनाव का दोष अमेरिका के माथे डाल दिया।

कार्टून कोना

हम बातचीत को तैयार, युद्ध रोकने के लिए सकारात्मक पहल करें पुतिन : जेलेंस्की

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि वह अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने आगाह किया कि उनकी एक कूटनीतिक विफलता तीसरे विश्वयुद्ध की वजह बन सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी मौजूदा संघर्ष तीसरे विश्वयुद्ध का आगाज हो सकता है।

ज़ेलेंस्की ने कहा कि मैं पुतिन के साथ बातचीत के लिए तैयार हूं। मैं पिछले दो साल से तैयार था और मुझे लगता है कि बातचीत के बिना, हम इस युद्ध को समाप्त नहीं कर सकते। अगर इस युद्ध को रोकने के लिए हमारे पास सिर्फ एक फीसदी मौका है, तो मुझे लगता है कि हमें यह मौके का फायदा उठाने की जरूरत है। हमें ऐसे प्रयास करने चाहिए ताकि युद्धरोका जा सके।

ज़ेलेंस्की ने रूसी हमले की अब तक की मानवीय लागत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम निर्दोष लोगों को जमीन पर दैनिक आधार पर खो रहे हैं, रूसी सेनाएं हमें खत्म करने, हमें मारने आई हैं। हमने अपने लोगों और सेना की गरिमा का प्रदर्शन किया है कि हम एक शक्तिशाली देश का सामना करने में सक्षम हैं, हम वापस हमला करने में सक्षम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हमारी गरिमा जीवन की रक्षा करने वाली नहीं है।

ज़ेलेंस्की ने कहा मुझे लगता है कि हमें वार्ता की संभावना, पुतिन से बात करने की संभावना के लिए किसी भी प्रारूप, किसी भी मौके का उपयोग करना होगा। लेकिन अगर ये प्रयास विफल हो जाते हैं, तो इसका मतलब यह होगा कि यह तीसरा विश्व युद्ध है।

हिमाचल में कांग्रेस को लगा तगड़ा झटका, कांग्रेस के 23 युवा नेता हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

- मनीष ठाकुर समेत यूथ कॉंग्रेस से जुड़े रहे 23 बड़े नाम हुए आम आदमी पार्टी में शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गुड गवर्नेंस मॉडल से प्रभावित होकर, अनेकों क्षेत्रों से प्रतिष्ठित लोग पुरानी राजनीति और भ्रष्टाचार को पीछे छोड़कर आम आदमी पार्टी द्वारा शुरू किए गए बदलाव की राजनीति में शामिल हो रहे हैं। पंजाब में क्लीन स्वीप के बाद, आम आदमी पार्टी ने देश की राजनीति में एक मजबूत जगह बनाई है और तेजी से पूरे देश के अन्य राज्यों पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश जुट गयी है। इसी कड़ी में आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन की मौजूदगी में कांग्रेस की हिमाचल शाखा का एक बड़ा हिस्सा आप में शामिल हो गया। कांग्रेस नेता मनीष ठाकुर, केजरीवाल मॉडल ऑफ गवर्नेंस से प्रेरित अपने सभी साथियों समेत आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। श्री जैन ने कहा कि पार्टी को पूरे हिमाचल प्रदेश से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और लोग बदलाव के लिए मतदान करने के लिए तैयार हैं। आम आदमी पार्टी के गवर्नेंस मॉडल की मांग पूरे देश में हो रही है। दूसरी पार्टियों में कई अच्छे लोग हैं जो आम आदमी पार्टी से जुड़ कर इस बदलाव की राजनीति का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन सभी लोगो का आम आदमी पार्टी में स्वागत है। आम आदमी पार्टी के हिमाचल प्रदेश के चुनाव प्रभारी और दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन ने प्रदेश यूथ कॉंग्रेस के अध्यक्ष मनीष ठाकुर सहित 23 अन्य युवा नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई। मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा, 'एक हफ्ते पहले आम आदमी पार्टी ने फैसला किया था कि वह हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में सभी 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। मैंने यह घोषणा राज्य की राजधानी शिमला में भी की थी। इस घोषणा के बाद, हमें पूरे राज्य से जबरदस्त और शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हिमाचल प्रदेश के कई युवा और जागरूक नेता आज आम आदमी पार्टी में शामिल होने के लिए आगे आए हैं। उन्होने आगे कहा, ''मनीष ठाकुर, जो आज हमारे आम आदमी पार्टी परिवार में शामिल होने वाले कई महत्वपूर्ण नामों में से एक हैं, 1998 में एनएसयूआई में शामिल होने के बाद युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने अपनी अध्यक्षता से पहले संगठन में कई उल्लेखनीय पदों पर कार्य किया है, जिसमें शामिल हैं - पीजी कॉलेज सोलन में कैंपस अध्यक्ष, एनएसयूआई, राज्य महासचिव एनएसयूआई, पीवाईसी महासचिव, एलवाईसी अध्यक्ष शिमला, आईवाईसी सचिव, आईवाईसी महासचिव और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष। वह कांग्रेस पार्टी के सबसे उत्कृष्ट युवा नेताओं में से एक हैं, जो अपने जैसे सभी लोग जो अरविंद केजरीवाल सरकार के गवर्नेंस मॉडेल से जुड़ना चाहते हैं, उन्हे आदमी पार्टी मे जोड़ रहे है। दूसरी पार्टियों में कई अच्छे लोग हैं जो आम आदमी पार्टी से जुड़ कर इस बदलाव की राजनीति का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन सभी लोगो का आम आदमी पार्टी में स्वागत है।ठ

जन हितैषी

लालू-शरद साथ

बिहार की राजनीति में एक बार फिर से बड़ा उलटफेर हुआ है। 2018 में नीतीश कुमार से अलग होकर अलग पार्टी बनाने वाले शरद यादव अब लालू यादव के साथ आ गए हैं। रविवार को उन्होंने अपनी पार्टी लोकतांत्रिक जनता दल का राजद में विलय कर दिया। शरद यादव ने राजद में विलय की घोषणा पहले ही कर दी थी। उन्होंने बुधवार को ट्वीट करके यह स्पष्ट कर दिया था। लालू के साथ शरद यादव के साथ आने के कई मायने हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि शरद यादव फिर से सक्रिय राजनीति में आने को आतुर हैं। एलजेडी का आरजेडी में विलय होने के बाद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव उनको राज्यसभा भेज सकते हैं। इस साल जुलाई में बिहार में राज्यसभा की पांच सीटें खाली हो रही हैं। दो सीटें भाजपा, एक सीट जदयू के पास जाएगी। जबकि दो सीटें आरजेडी के पास आएगी। आरजेडी शरद यादव को राज्यसभा भेज सकती है। उनकी बेटी सुभाषिनी यादव जो 2020 का बिहार विधानसभा चुनाव कांग्रेस से चुनाव लड़ी थीं, उनको आरजेडी संगठन में जिम्मेदारी दी जा सकती है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि बिहार में नीतीश कुमार को चुनौती देना इतना आसान नहीं है लेकिन शरद यादव और लालू यादव के साथ आने से राज्य का यादव मतदाता पूरी तरह उनके साथ जा सकता है जिसका चुनावों में असर भी देखने को मिलेगा। वैसे भी इस वक्त नीतीश कुमार को विपक्ष लगातार घेर रहा है। ऐसे में दोनों दलों के विलय से इनकी ताकत में निश्चित तौर पर थोड़ी बढ़ेगी लेकिन यह नीतीश के सामने चुनौती बन सकती है यह तो भविष्य ही बता सकता है। जुलाई, 1997 में जनता दल के अध्यक्ष पद को लेकर लालू यादव और शरद यादव में ठन गई। उस समय जनता दल के कार्यकारी अध्यक्ष शरद यादव हुआ करते थे। लालू प्रसाद यादव ने अध्यक्ष पद को लेकर शरद यादव को चुनौती दे दी। इस चुनाव के लिए लालू प्रसाद यादव ने अपने सहयोगी रघुवंश प्रसाद सिंह को निर्वाचन अधिकारी बनाया था, शरद यादव इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट चले गए और सुप्रीम कोर्ट ने रघुवंश प्रसाद सिंह को हटाकर मधु दंडवते को निर्वाचन अधिकारी बना दिया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष रहते हुए शरद यादव ने पार्टी की कार्यकारिणी में अपने समर्थकों की संख्या इतनी कर ली थी कि लालू प्रसाद यादव को अंदाजा हो गया था कि अगर वे चुनाव लड़ेंगे तो उनकी हार होगी। इसलिए लालू ने अलग पार्टी राष्ट्रीय जनता दल बनाने का फैसला लिया। राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने 1997 में जनता दल छोड़ दिया था और इसके नेतृत्व के साथ अपने मतभेदों के कारण अपनी पार्टी बनाई थी क्योंकि चारा घोटाले के खिलाफ जांच में तेजी आई थी, जिसमें वह मुख्य आरोपी थे। शरद यादव को तब जनता दल के भीतर उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा गया था और बाद में वह नीतीश कुमार के साथ 2005 में बिहार में राजद के 15 साल के शासन को समाप्त करने के अभियान में शामिल हो गए थे। 74 वर्षीय शरद यादव ने 2018 में नीतीश कुमार से अलग होकर लोकतांत्रिक जनता दल की स्थापना की थी। हालांकि, इसके बाद से ही उनका राजनीतिक पतन भी शुरू हो गया। जदयू से अलग होने के बाद से उन्होंने अकेले चुनाव नहीं लड़ा। खुद पार्टी प्रमुख शरद यादव ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था। 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में, शरद की बेटी सुहासिनी यादव ने भी राजद के टिकट पर चुनाव लड़ा था। बताया जा रहा है कि अब शरद यादव को लालू राज्यसभा पहुंचा सकते हैं। दरअसल बिहार में इसी जुलाई में राज्यसभा की पांच सीटें खाली होंगी। इनमें दो सीटें भाजपा की और एक सीट जेडीयू के पास जाएगी। जबकि बाकी दो सीटें दो सीटें आरजेडी के पास आएंगी। ऐसे में माना जा रहा है कि शरद यादव को आरजेडी राज्यसभा भेज सकती है।

जल संकट की गहराती समस्या

(विश्व जल दिवस(22 मार्च)पर विशेष)

जल एक ऐसा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन है, जो सिर्फ कृषि कार्यों के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि जल की कमी का संकट न केवल भारत बल्कि दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। सही मायने में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। दरअसल दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और साफ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।

बात यदि भारत के संदर्भ में करें तो हमारा देश पहली बार 2011 में जल की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था और अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या फिर देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष विशेषकर गर्मी के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों में पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। कुछ ही साल पहले शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले साल चेन्नई में वैसी ही स्थिति देखी गई। ये मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही वजह है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा 2019 में देश के हर ग्रामीण क्षेत्र तक नलों के जरिये प्रत्येक घर में जल पहुंचाए जाने के लिए 'जल जीवन मिशन' नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस मिशन की शुरूआत से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 3.23 करोड़ परिवारों के पास ही नल कनैक्शन थे और इस योजना के तहत 2024 तक 19.22 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचाए जाने का लक्ष्य है। आंकड़ों के अनुसार इस मिशन की शुरूआत से लेकर 28 महीनों की अवधि में कुल 5.44 करोड़ घरों तक नल से जलापूर्ति शुरू की जा चुकी है और इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या कुल 8.67 करोड़ हो चुकी है। हालांकि घर-घर तक जल पहुंचाने का वास्तविक लाभ तभी होगा, जब नलों से जलापूर्ति भी सुचारू रूप से हो और यह केवल तभी संभव होगा, जब जलस्त्रोतों की बेहतर निगरानी व्यवस्था होने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए कारगर प्रयास नहीं किए जाएं।

पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्त्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह वर्णन किया गया है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पुस्तक के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है।

देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनिया भर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल होती जा रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो बहुत गंभीर रूप धारण कर रही है। विश्वभर में पानी की कमी की समस्या तेजी से उभर रही है और यह भविष्य में बहुत खतरनाक रूप धारण कर सकती है। अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और अधिक बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। दुनियाभर में पानी की कमी के चलते विभिन्न देशों में और भारत जैसे देश में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं।

बहरहाल, पानी की महत्ता को हमें समय रहते समझना ही होगा। इस तथ्य से हर कोई परिचित है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हम हर जगह पानी का दुरूपयोग होते देखते हैं तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्त्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हमें समझ लेना होगा कि बारिश की एक-एक बूंद बेशकीमती है, जिसे सहेजना बहुत जरूरी है। अगर हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।(लेखक-योगेश कुमार गोयल/ईएमएस)

खेल-समाचार

प्रो हॉकी लीग : भारत और नीदरलैंड की महिला टीमों के बीच अब अगले माह होगा मुकाबला

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला हॉकी टीम अब अगले माह अप्रैल में एफआईएच प्रो लीग हॉकी मुकाबले में नीदरलैंड से खेलेगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय महिला टीम भुवनेश्वर में 8 और 9 अप्रैल को एफआईएच प्रो लीग के 'डबल-हेडर' मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड का सामना करेगी। पहले यह मुकाबले 19 और 20 फरवरी को होने थे पर उस समय देश में कोरोना संक्रमण के हालातों को देखते हुए नीदरलैंड ने मैचों का कार्यक्रम आगे बढ़ाने की अपील की थी जिसे हॉकी इंडिया ने मान लिया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा, 'हम नीदरलैंड की राष्ट्रीय महिला टीम का अप्रैल में भारत में स्वागत करने को लेकर उत्सुक हैं। भारतीय टीम की खिलाड़ी विश्व की नंबर एक टीम का सामना करने को लेकर उत्साहित है।'

इससे पहले दोनों टीमों ही टीमों को 19 और 20 फरवरी को एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेलने थे पर गत चैंपियन नीदरलैंड ने देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की थी जिससे इन्हें स्थगित कर दिया गया था। भारतीय टीम ने अभी एफआईएच प्रो लीग में केवल 6 मैच खेले हैं। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले नीदरलैंड से ओलंपिक खेलों में अपने ग्रुप चरण के मैच में खेला था जिसमें उसे 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था।

आईसीसी महिला विश्व कप : बांग्लादेश पर आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

हैमिल्टन (ईएमएस)। आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप क्रिकेट में भारतीय टीम का मुकाबला मंगलवार को बांग्लादेश से होगा। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखना चाहेगी। भारतीय टीम का विश्वकप का सफर अब तक मिला-जुला रहा है। उसने शुरुआती मुकाबले में पाकिस्तान को हराया था पर उसे दूसरे ही मुकाबले में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले दोनों मैचों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम अब तक प्रदर्शन में निरंतरत नहीं दिखा पायी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजों ने अच्छा खेल दिखाया पर गेंदबाज नाकाम रहे। इसी कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। उससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के बल्लेबाज बेहद कम रन ही बना पाये।

भारतीय टीम ने पिछले मैच में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा की जगह शैफाली वर्मा को अवसर दिया था पर इससे कोई लाभ नहीं हुआ। ऐसे में माना जा रहा है कि इस अहम मैच के लिए शैफाली को प्रवेश मिलेगा। शैफाली के बाहर रहने पर यास्तिका भाटिया ने स्मृति मंधाना के साथ पारी शुरु की थी।

वहीं बल्लेबाजी में हरमनप्रीत कौर के लय में होने से टीम को लाभ होगा। तक उपयोग नहीं किया गया है।

कप्तान मिताली राज के फार्म हासिल करने से भारतीय टीम को लाभ हुआ है। वहीं अनुभवी मंधाना से भी टीम को बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

भारतीय टीम के पास गेंदबाजी में झूलन गोस्वामी और राजेश्वरी गायकवाड़ जैसी खिलाड़ी है। इसके अलावा पूनम यादव, आलराउंडर स्नेह राणा और पूजा वस्त्राकर ने भी अब तक बेहतरीन प्रदर्शन कर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। इस प्रकार देखा जाये तो हर लिहाज से भारतीय टीम बांग्लादेश पर भारी है। इसके बाद भी भारतीय टीम को इस मैच में कोई गलती नहीं करनी होगी। दूसरी और बांग्लादेश की बात करें तो वह भी इस मैच में जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले मैच में टीम लक्ष्य हासिल करने के दौरान लड़खड़ा गयी थी जिससे उसका मनोबल गिरा है। उसकी गेंदबाजी अच्छी है पर बल्लेबाजी कमजोर है जिसे उसे बेहतर करना होगा।

नडाल को हराकर फ्रिट्ज बने इंडियन वेल्स चैम्पियन

कैलिफोर्निया (ईएमएस)। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर इंडियन वेल्स टेनिस खिताब जीत लिया है। नडाल को फाइनल में फ्रिट्ज ने सीधे सेटों में आसानी से हरा दिया। इसी के साथ ही इस साल नडाल को पहली बार हार का सामना करना पड़ा है। मैच के दौरान नडाल को इलाज के लिए कोर्ट से बाहर भी जाना पड़ा। वहीं कोर्ट पर वापसी के बाद नडाल अधिक सहज दिखे पर फ्रिट्ज ने इसके बाद भी 6-3 7-6 (7-5) से जीत दर्ज कर ली।

इसी के साथ ही फ्रिट्ज साल 2001 में आंद्रे अगासी के बाद इंडियन वेल्स में जीत हासिल करने वाले पहले अमरीकी खिलाड़ी बने हैं। जीत से उत्साहित होकर ट्रिज ने कहा, 'यह उन बचपन के सपनों में से एक है, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि यह सच होगा।'

वहीं हार के बाद निराश नडाल ने कहा, 'मैंने पिछले दो हफ्तों के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, आज संभव नहीं था। मेरे विचार से अंत तक मैनें अच्छा मुकाबला किया।' नडाल ने इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे एकदिवसीय मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

जोहानिसबर्ग (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका ने यहां दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी। दक्षिण अफ्रीका की जीत में तेज गेंदबाज कैसिगो रबाडा की अहम भूमिका रही। रबाडा ने 39 रन देकर 5 खिलाड़ियों को पेवेलियन भेजा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश की ओर से अफीफ हुसैन ने 72 और मेहदी हसन मिराज ने 38 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के काफी प्रयास किये पर वह नाकाम रहे। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका ने 37.2 ओवर में तीन विकेट पर ही हासिल कर लिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से क्विंटन डिकॉक ने 62 और काइल वेरेन ने नाबाद 58 रन बनाये जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 37 रन बनाये।

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन के खिताबी मुकाबले में हारे

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारत के लक्ष्य सेन का ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में जीत का सपना टूट गया है। लक्ष्य को यहां विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और ओलंपिक स्वर्ण विजेता डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन ने सीधे गेम में 10-21, 15-21 से हराया। यह मुकाबला करीब 53 मिनट तक चला। लक्ष्य इस चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे भारतीय थे।

खिताबी मुकाबले में डेनमार्क के एक्सेलसेन शुरुआत से ही हावी रहे। उन्होंने पहले गेम में ही 5-0 की बढ़त बनाकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। इसके बाद एक्सेलसेन ने स्कोर 9-2 किया। यहां एक ब्रेक हासिल कर वह 11-2 से आगे हो गए। वहीं दूसरी ओर लक्ष्य ने एक दो अवसरों पर अच्छे शॉट लगाए पर पहले गेम में पूरी तरह एक्सेलसेन ने शिकंजा कस लिया। उन्होंने 22 मिनट में पहला गेम आसानी से जीत लिया। इसके बाद एक्सेलसेन ने दूसरे गेम में भी 4-2 की बढ़त हासिल की पर लक्ष्य ने जल्द ही स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। इसके बाद एक्सेलसेन ने फिर बढ़त बनाकर गेम ओर मैच जीत लिया।

एफआईएच प्रो लीग हॉकी : मनदीप के गोल से भारत ने अर्जेंटीना को 4-3 से हराया

भुवनेश्वर (ईएमएस)। मनदीप सिंह के अंतिम समय में किये गये शानदार गोल से भारत ने एफआईएच प्रो लीग हॉकी में अर्जेंटीना को दूसरे मैच में 4-3 से हरा दिया। वहीं पहले चरण का मुकाबला अर्जेंटीना ने शूटआउट में जीता था। भारत की जीत में जुगराज सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई। जुगराज ने पेनल्टी कार्नर से 2 गोल किये थे। वहीं मनदीप ने अंतिम हूटर बजने से 26 सेकेंड पहले एक गोल किया जिससे भारतीय टीम को जीत मिली। इससे पहले जुगराज ने 20वें और 52वें मिनट में जबकि हार्दिक सिंह ने 17वें मिनट में गोल किया था। वहीं अर्जेंटीना की ओर से डेला टोरे निकोलस ने 40वें, डोमेन टॉमस ने 51वें और फेरेरो मार्टिन ने 56वें मिनट में गोल किये। इस जीत से भारतीय टीम 8 मैचों में 16 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि अर्जेंटीना ने 6 मैचों में 11 अंक हासिल किये हैं और वह चौथे स्थान पर है।

इस मैच का पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। भारतीय टीम ने इसके बाद दूसरे क्वार्टर में शानदार खेल दिखाया और दो गोल किये। हार्दिक ने पहला गोल किया। इसके 3 मिनट बाद ही पेनल्टी कार्नर पर जुगराज ने गोल दागा। वहीं अर्जेंटीना ने तीसरे क्वार्टर में शानदार वापसी की। उसकी ओर से पहला गोल डेला टोरे ने किया जबकि डोमेन टॉमस ने 51वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। जुगराज ने इसके बाद एक और गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं अर्जेंटीना के मार्टिन फेरेरो ने गोल कर स्कोर फिर बराबरी पर पहुंचा दिया।

अमेरिका और डालर की दादागिरी समाप्ति की ओर

- रुस-चीन और भारत होंगे शक्तिशाली देश
- वैश्विक व्यापार संधि एवं प्रतिबंधों का नहीं होगा असर

सारे विश्व की अर्थव्यवस्था एवं तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका से सारी दुनिया के देश भयाक्रांत है। रुस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने अमेरिका और नाटो देशों को सबसे कमजोर स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से सारी दुनिया के देशों में अमेरिका का वर्चस्व बढ़ता चला गया। अंतराष्ट्रीय संस्थाओं और डालर मुद्रा के बल पर पिछले 60 सालों में अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश बन गया था। ताकत के बल पर सारी दुनिया में अपने साम्राज्य को फैलाने के लिए 1990 में सोवियत-रुस को तोड़कर अपनी ताकत का डंका बजाने वाला अमेरिका-रुस-यूक्रेन युद्ध के बाद अपने ही जाल में फंसकर फड़फड़ा रहा है। यूक्रेन के सहारे रुस को कमजोर करने नाटो देश का सदस्य बनाकर जो मकड़जाल अमेरिका ने बुना था। उससे बाहर निकलने का रास्ता अमेरिका और नाटो संगठन के देशों का नहीं मिल रहा है। पिछले ---- दिनों में अमेरिका तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने प्रतिबंधों के माध्यमों से रुस पर नकेल कसने के जो प्रयास किये थे। वह सभी निष्फल साबित हुए है। उल्टे प्रतिबंधों के कारण दुनिया के कई बड़े देश जिनमें चीन और भारत जैसे शक्तिशाली देश भी रुस के साथ खड़े हो रहे हैं। इससे अमेरिका और नाटो संगठन हतप्रभ है। रुस के खिलाफ जो आर्थिक प्रतिबंध अमेरिका ने लगाये। उससे रुस को कुछ समय के लिए परेशानी जरुर हो रही है। वहीं अमेरिका का अस्तित्व और नाटो संगठन के बिखराव का नया खतरा पैदा हो गया है।

चीन की कूटनीति से रुस मजबूत

अमेरिका ने चीन को प्रतिबंध लागू करने और रुस की सहायता नहीं करने का भारी दबाव बनाया है। चीन अमेरिका के दबाव में नहीं आया। उल्टे चीन की कूटनीति से अमेरिका का संकट बढ़ता ही जा रहा है।

इलेक्ट्रानिक उपकरण एवं दवाईयां

चीन इलेक्ट्रानिक वस्तुओं एवं दवाईयों के निर्माण में बेसिक साल्ट का सबसे बड़ा निर्यातक है। चीन ने कोरोना की आड़ लेकर लाक-डाउन लगाकर सारी दुनिया के देशों का निर्यात रोक दिया है। चीन के इस निर्णय से अमेरिका और यूरोपीय देशों का संकट बढ़ गया है। महंगाई बढ़ी है, जरुरी सामानों की कमी शुरु हो गई है।

तेल और गैस की कमी

प्रतिबंधों के चलते यूरोपीय देशों को ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। रुस से लगभग 42 फीसदी गैस एवं कच्चे तेल का निर्यात यूरोपीय देशों में होता था। प्रतिबंध के कारण यूरोपीय देशों की सप्लाई प्रभावित हुई है। आने वाले कुछ दिनों में यूरोपीय देशों को एनर्जी संकट का सामना करना पड़ेगा। इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होगा। यूरोपीय देशों में घरों को गर्म रखने के लिए बड़ी मात्रा में रुसी प्राकृतिक गैस का उपयोग होता है। जो अब उपलब्ध नहीं हो रही है।

डालर की दादागिरी खत्म होगी?

अमेरिका ने रुस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने के साथ डिजिटल देनदेन पर रोक लगा दी है। प्रारंभिक स्तर पर रुस को भारी आर्थिक नुकसान हुआ। रुस ने झुकने के स्थान पर रुबल और व्यापार करने वाले देशों के साथ उनकी मुद्रा में लेनदेन करने तथा डिस्काउंट देने के कारण अब रुस के साथ व्यापार करने वाले देश रुबल मुद्रा में समझौते और व्यापार करने लगे है। इससे अमेरिका और डालर मुद्रा के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

भारत जो अपनी जरुरत का 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है। रुस के साथ भारत ने 25 फीसदी छूट के साथ रुबल मुद्रा में भुगतान करने का समझौता किया है। इस समझौते से भारत एवं रुस के बीच व्यापार काफी तेजी के साथ बढ़ेगा यही हाल चीन का है। ऐसी स्थिति में डालर मुद्रा को सबसे बड़ी चुनौती मिलना शुरु हो गई है।

वैश्विक व्यापार संघि एवं भुगतान माडल पर बदलाव?

अमेरिका ने जिस तरह से रुस पर प्रतिबंध लगाते हुए उसकी सम्पत्तियां एंव लेनदेन को रोकने का काम किया है। उससे अमेरिका की दादागिरी को लेकर अन्य निर्गुट देशों पर इसका असर देखने को मिल रहा है। एशियाई देश अपने व्यापार व्यवसाय सुरक्षा इत्यादि को देखते हुए क्षेत्रीय आधार पर स्वालम्बी बनने की दिशा में सोचने विवश हुए है।

अपने ही जाल में फंसा अमेरिका

सोबियत रुस को तोड़ने के बाद पिछले 30 बर्षों में अमेरिका ने एकछत्र राज्य किया है। वैश्विक व्यापार संघि का सबसे ज्यादा लाभ अमेरिका ने उठाया। उसके बाद से अमेरिका एवं नाटो देश रुस-चीन- भारत-जापान एवं खाड़ी देशों में अपना प्रभुत्व बढ़ाने का काम कर रहे थे। सोबियत रुस का विघटन देखने के बाद रुस ने भी आर-पार की लड़ाई-लड़ने का मन बना लिया है।

नहीं चलेगी अमेरिकी दादागिरी

पिछले तीन दशक में रुस-भारत-चीन-जापान-उत्तरकोरिया सहित दर्जनों देश परमाणु हथियोरों से लेस है। नाटो देशों के माध्यम से अमेरिका से मिलने वाली चुनौतियों के साथ पड़ोसी देशों से सुरक्षा की दृष्टि से सारी दुनिया के बड़े देश आत्मनिर्भर है। ऐसी स्थिति में अमेरिका ने यूक्रेन को लेकर रुस को कमजोर करने की जो रणनीति बनाई थी। वह बुरी तरह फ्लाप होकर रह गई है। (लेखक- सनत जैन / ईएमएस)

कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन का उठता मुद्दा!

कांग्रेस में यूं तो उच्च स्तर पर असन्तुष्ट 23 बड़े नेताओं का गुट लंबे समय से पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहा है,लेकिन साथ ही उतने ही जोर से बड़ी संख्या में ऐसे कांग्रेस जन भी है जो हर हाल में गांधी परिवार से बाहर पार्टी का नेतृत्व सौंपना नही चाहते।तभी तो हाल ही में कपिल सिब्बल व गुलाम नबी आजाद द्वारा उठाई गई नेतृत्व परिवर्तन की मांग पर मल्लिकार्जुन खड़के व अधीर रंजन ने उन पर जनाधार हीन , आरएसएस व भाजपा के इशारे पर उंक्त वक्तव्य देने का आरोप तक लगा दिया।

कपिल सिब्बल ने हाल ही में पांच राज्यो में हुई कांग्रेस की हार के बाद कहा कि अब वक्त आ गया है कि 'घर की कांग्रेस' की जगह 'सब की कांग्रेस' हो। इस बार के परिणामों ने उन्हें आश्चर्यचकित नहीं किया क्योंकि उन्हें इसका अंदाजा पहले से था। कांग्रेस सन 2014 से लगातार नीचे की ओर जा रही हैं। कांग्रेस ने राज्य दर राज्य खोया है। जहां कांग्रेस सफल हुई वहां भी कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओ को एक साथ नहीं रख पाई। इस बीच कांग्रेस से कुछ प्रमुख लोगों का पलायन हुआ है। जिनमें नेतृत्व का भरोसा था उनमे अधिकांश कांग्रेस से दूर चले गए।सन 2022 के विधानसभा चुनाव में भी नेतृत्व के करीबी लोगों ने उनका साथ छोड़ दिया। सन 2014 से अब तक लगभग 177 सांसद, विधायक के साथ-साथ 222 उम्मीदवार कांग्रेस का साथ छोड़ चुके हैं। किसी अन्य राजनीतिक दल में इस तरह का पलायन नहीं कभी नही हुआ।पांचों राज्यो के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस हारी है तो अब उसपर ठीकरा फोड़ने के लिए सिर तलाश किये जा रहे हैं।हार को लेकर कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई। उसमे बात चली कि राष्ट्रीय अध्यक्ष कोई और बने लेकिन बात नहीं बन पाई।अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पांचों राज्य जिनमें पार्टी की करारी हार हुई है, यानि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर राज्यों के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्षों से त्याग पत्र ले लिया है ताकी पार्टी इन राज्यों में संगठन को रीऑर्गेनाइज कर सके।राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस के कमजोर होने की बात स्वीरकारी है। उन्होंखने कहा कि कांग्रेस कमजोर हो गई है, यह मानता हूं। सत्ता में आना या ना आना बड़ी बात नहीं है, भाजपा के लोग केवल ध्रुवीकरण पर चुनाव जीत रहे हैं।मुद्दे के आधार पर चुनाव नहीं लड़ते हैं, उस तरह से लड़ेंगे तो हार जाएंगे। उन्होंरने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई मुख्य मुद्दा है जिससे भाजपा दूर भागती है।अशोक गहलोत का कहना है कि देश और कांग्रेस का डीएनए एक है। भाजपा की भी एक बार दो सीट आई थी, यह भाजपा के लोग भूल गए क्या? देश एक रहे इसके लिए इंदिरा गांधी और बेअंत सिंह ने जान दी है।ध्रुवीकरण को लेकर भी गहलोत ने भाजपा को कटघरे में खड़ा किया और कहा कि भाजपा के लोग ध्रुवीकरण कर रहे हैं।हिंदुत्व के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। यह लोकतंत्र में ठीक नहीं है। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस सबको साथ लेकर चली है, तभी हम लोग यहां तक पहुंचे हैं। ये लोग आग लगाते हैं और हम बुझाते हैं,इसमें मुश्किल होती है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत हार से घबराने वाले नेताओं में से नही है उन्होंने माना कि पार्टी को भविष्य की चुनौतियों से पार पाना है। उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से कहीं पार्टी से चूक हो रही है जो वह बार-बार लोगों का विश्वास जीतने में विफल हो रही है।उनका कहना है कि कांग्रेस और संवैधानिक लोकतंत्र के सेवकों की निगाहें अब भी कांग्रेस पर टिकी हुई हैं।हरीश रावत ने आरोप लगाया कि भाजपा द्वारा गढ़े हुए झूठ का चुनाव में सहारा लिया गया है।क्योंकि हमने कभी भी शुक्रवार की नमाज़ की छुट्टी का कोई आदेश नहीं निकाला और राज्य में भी ऐसा कोई आदेश कभी नहीं निकला है। भाजपा ने इसे झूठ की तरह फैलाया ताकि वोटो का धुर्वीकरण हो सके।भाजपा का दूसरा झूठ मुस्लिम यूनिवर्सिटी खोलने को लेकर है। मुझसे कभी किसी मुसलमान भाई ने उत्तराखंड तो छोड़िए देश भर के किसी मुसलमान भाई ने मुस्लिम यूनिवर्सिटी या मुस्लिम कॉलेज खोलने की मांग नहीं की है। मगर यह झूठ प्रचार किया गया और लोगों के मन में जहर घोला गया है,जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छा नही है।कांग्रेस में असंतोष व विरोध के वर्तमान हालात और इसमें घूम फिरकर पुनः राहुल गांधी को ही नेतृत्व सौंपने की तैयारी की विडंबना को लेकर 'दृष्टि बदले कांग्रेस' लेख के माध्यम से गुलाब सिंह कोठारी ने कांग्रेस के लिए आईना बताया है। उन्होंने यह भी कहा है कि कांग्रेस के लिए यह आत्मचिंतन का समय है। उसे नेतृत्व परिवर्तन के लिए भी सोचना चाहिए। यही कांग्रेस और देश के हित में होगा।इसी प्रकार बैंगलुरू से सज्जन राज मेहता कहते है कि कांग्रेस राजनीतिक दल के रूप में प्रतिष्ठित हमेशा रही है और आगे भी रहेगी। लेकिन ऐसा तब ही होगा जब अगर समय रहते दल के नेताओ की खरी खोटी को सकारात्मक रूप में स्वीकार कर बदलाव की बयार लाने को यह पार्टी उत्सुक हो । भाजपा जिस तरह से लालकृष्ण आडवाणी की जगह नरेन्द्र मोदी को लाई उसी की तर्ज पर कांग्रेस में अनुभवी राजनेता को कमान सौंपी जानी चाहिए जो गांधी परिवार से तालमेल बनाकर दल और देश दोनों की दशा और दिशा में अहम परिवर्तन ला सके । लेकिन साथ ही यह भी सच है कि न तो कभी सोनिया गांधी ने और न ही राहुल गांधी ने कांग्रेस संगठन से चिपके रहने की जिद्द की।जब जब भी प्रतिकूल परिस्थिति पैदा हुई सोनिया गांधी ने अध्यक्ष का दायित्व छोड़ने की पेशकश की हैं, इस बार की कार्यसमिति की बैठक में भी उन्होंने ऐसा ही किया।राहुल गांधी भी कांग्रेस अध्यक्ष पद का दायित्व लेने से बार बार मना कर चुके है।ऐसे में राहुल गांधी के ही मुताबिक गांधी परिवार से बाहर का अध्यक्ष हो,की इच्छा पूरी होने से रोकने वाले न सोनिया गांधी है और न ही राहुल गांधी बल्कि वे लोग है जो कांग्रेस कार्यसमिति से बाहर तो नेतृत्व परिवर्तन की आवाज उठाते है लेकिन बैठक में वे लोग चुप्पी साध जाते है जिससे लगता है कि उनके पास गांधी परिवार के सिवाय नेतृत्व संभालने का कोई विकल्प नही है,होता तो उसका नाम सामने लाया जाता।तो फिर खाली गाल बजाने से क्या फायदा।स्वयं कपिल सिब्बल व गुलाम नबी आजाद आज नेतृत्व परिवर्तन की मांग तो कर रहे है लेकिन वे उस समय कहा गए थे जब चुनाव हो रहा था,ये नेता तो किसी भी प्रचार सभा मे दिखाई ही नही पड़े।फिर नेतृत्व परिवर्तन की मांग का ही अधिकार उन्हें क्यो मिलना चाहिए! (लेखक-- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस)

आज का इतिहास-22मार्च

1739 नादिरशाह दिल्ली में घुसा और कत्ले आम का हुक्म जारी किया जो 45 दिन तक चला.
1765 इंग्लैंड की संसद ने अमेरिकी उपनिवेशकों से राजस्व जुटाने के लिए कानून बनाया.
1793 लार्ड कार्नवालिस ने बंगाल और बिहार स्थायी बस्तियां बसाए जाने की घोषणा की.
1794 अमेरिकी कांग्रेस ने अपने जहाजों से दासों को आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया.
1893 चटगांव शस्त्रागार कांड के मास्टर दा उर्फ सूर्यसेन का जन्म.
1917 अमेरिका ने रूस की काम चलाऊ सरकार को मान्यता दी.
1934 होकोडेट,जापान मे आग से सम्पूर्ण शहर नष्ट, 1500लोगों की मृत्यु 1000अन्य घायल.
1942 सर स्टैम्पर्ड क्रिप्स के नेतृत्व में एक दल भारत आया था.
1945 अरब लिग की स्थापना ताहिरा मे हुई थी.
1946 ब्रिटेन ने ट्रांस जार्डन को स्वतंत्रता की मान्यता दी.
1947 भारत के अतिंम वायसराय लार्ड लुई माउंटबैटन भारत आये थे.
1957 एक संवत पर आधारित राष्ट्रीय कलैंडर लागू किया गया था.
1969 भारतीय पेट्रो रसायन निगम लिमिटेड का उद्घाटन हुआ था.
1992 सप्लाई पोत 'सिन्धु-16'का जलावतरण.
2005 तमिल के प्रसिद्ध अभिनेता जैमिनी गणेशन का निधन.
2007 पाकिस्तान ने 700 कि.मी. दूरी तक मार वाली नई मिसाइल बाबर का सफल परीक्षण किया.

शब्द पहेली - 7232

बाएँ से दाएँ

1. पैगंबर, खुदाई रहनुमा-4
4. कारगुजारी, करिश्मा-4
7. दौड़ना (अंग्रेजी -2)
8. पासे फैंक कर भविष्य जानने की विद्या-3
9. गहराई-2
10. राय, वोट-2
12. आलीशान, उदार-3
14. नकारना, इंकार करना-2,3
15. चोरी करना-2,3
17. राशन, खाद्य सामग्री-3
19. गन्ना-2
21. हर रोज, प्रतिदिन-2
23. वाद्य बजाने वाला-3
24. शारीरिक ऊंचाई-2
25. जहां ताजिए दफन करते हैं-4
26. महीन व मूल्यवान कपड़ा-4

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, हर पल, सदैव-4
2. जनता, लोक-2
3. द्रव पदार्थ-3
4. नागपुर के पास का एक कस्बा जहां जापान के सहयोग से भव्य बौद्ध मंदिर बना है-4
5. और, एवं-2
6. मन भटकाना-4
11. झगड़ा, कहासुनी-4
13. कोमलता-4
14. राजी करना-3
15. सहखिलाड़ी-4
16. चौकीदार, प्रहरी-4
18. कीचड़ -4
20. नगद राशि-3
22. पानी से सराबोर-2
24. थोड़ा, जरा-2

शब्द पहेली -7231 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

22 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

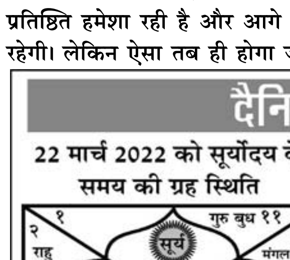

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.15 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.55 बजे से
मंगल	मकर में	मिथुन	10.53 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	13.07 बजे से
गुरु	कुंभ में	सिंह	15.23 बजे से
शुक्र	मकर में	कन्या	17.35 बजे से
शनि	मकर में	तुला	19.45 बजे से
राहु	वृष में	वृश्चिक	22.00 ब.से
केतु	वृश्चिक में	धनु	00.16 बजे से
राहुकाल		मकर	02.21 बजे से
3.00 से 4.30		कुंभ	04.08 बजे से
बजे तक		मीन	05.41 बजे से

मंगलवार 2022 वर्ष का 81 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2078 **शक संवत्** 1944 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 06.25 बजे तदनन्तर पंचमी 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 20.14 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 13.09 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.25 बजे, कौलव 17.24 बजे तदनन्तर तैतिल 04.22 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 19.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 00° 32' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871195 **जूलियन दिन** 2459660.5 **कलियुग संवत्** 5123 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2548 **हिजरी सन्** 1443 **महीना** सावान **तारीख** 18 **विशेष** रंग पंचमी, राख पंचमपुर मेला(ललितपुर)।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

चीनी विदेश मंत्री की काठमांडू यात्रा 25 मार्च से

बीआरआई पर हस्ताक्षर की उम्मीद

काठमांडू (ईएमएस)। चीन दुनिया पर कब्जे की महत्वकांक्षा को पूरा करने के लिए छोटे देशों को अपने जाल में फंसाता दिख रहा है। इसी कड़ी में ड्रैगन अब नेपाल को निगलने की फिराक में लगा हुआ है। इसकारण हैं, कि चीनी विदेश मंत्री वांग यी नेपाल दौरे पर आ रहे हैं। वांग विदेश मंत्री नारायण खड़का के निमंत्रण पर तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर 25 मार्च को पहुंचने वाले हैं। वांग अपनी यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ हिमालयी देश में चीनी महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) को बढ़ावा देने पर भी चर्चा कर सकते हैं। शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व में पिछले साल सरकार बनने के बाद वांग नेपाल आने वाले सर्वोच्च स्तर के विदेशी गणमान्य व्यक्ति हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार, "विदेश मंत्री खड़का के निमंत्रण पर चीन के स्टेट काउंसिलर और विदेश मंत्री वांग यी 25 से 27 मार्च, 2022 तक नेपाल की यात्रा पर आ रहे हैं।" सूत्रों के अनुसार, वांग की यात्रा के दौरान बीआरआई के तहत कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने संभावना है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की पहल पर 2013 में शुरू की गई बीआरआई परियोजना का लक्ष्य दुनियाभर में बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनओं के लिए वित्तपोषण करना है। इसके तहत चीन अपने 3.21 हजार अरब अमेरिकी डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग कर पूरी दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। गौरतलब है कि नेपाल और चीन के बीच पांच साल पहले बीआरआई के तहत सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुआ था, लेकिन अभी तक कोई भी परियोजना शुरू नहीं हुई है।

अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान वांग नेपाल के विदेश मंत्री खड़का के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने वाले हैं। नेपाली विदेश मंत्रालय द्वारा जारी अनुसार, वांग अपनी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी और प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से भी मिलने वाले हैं। उसमें कहा गया है, विदेश मंत्री खड़का और वांग के बीच 26 मार्च, 2022 को द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें वे अपने-अपने देश के शिष्टमंडल का नेतृत्व करने वाले हैं। वांग अपनी यात्रा के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली और सीपीएन माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' से भी मिलने वाले हैं।

रूस ने रासायनिक संयंत्र पर की बमबारीः यूक्रेन

कीव (ईएमएस)। यूक्रेन के महाअभियोजक ने कहा कि सूमी शहर के बाहर स्थित एक रासायनिक संयंत्र पर भी रूसी गोला गिरा है। संयंत्र पर सोमवार की रात तीन बजे बम गिराया गया, इससे टैंक में रखी गई 50 टन अमोनिया गैस का स्राव होने लगा। महाअभियोजक ने बताया कि गैस पर काबू पाने में कई घंटे लग गए। उधर, रूसी सेना के प्रवक्ता इगोर कोनाशेंकोव ने दावा किया कि गैस स्राव यूक्रेन की ओर से योजनबद्ध उकसावे की कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना रूस पर रासायनिक हमला करने का झूठा आरोप लगा रही है। कोनाशेंकोव ने कहा कि रात में किए गए क्रूज मिसाइल हमले में यूक्रेन के रिवने क्षेत्र में स्थित सैन्य प्रशिक्षण केंद्र को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान 80 विदेशी और यूक्रेनी सैनिक मारे गये।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों से बिकवाली हावी होने के कारण आई है। यूक्रेन पर रुसी हमले के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। उससे भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 571.44 अंक करीब 0.99 फीसदी की गिरावट के साथ 57,292.49 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 169.45 अंक तकरीबन 0.98 फीसदी नीचे आकर 17,117.60 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर नुकसान में रहे। वहीं इसके विपरीत सन फार्मास्युटिकल्स, एचडीएफसी बैंक, मारुति, टाइटन और एनटीपीसी के शेयर ऊपर आये हैं। बाजार जानकारों के अनुसार खाड़ी क्षेत्र में बनी अनिश्चितता से कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़े हैं। इसके कारण घरेलू बाजार पर भी प्रभाव पड़ा है। राहत की बात यह है कि देशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का बाजार पर भरोसा बना हुआ है। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई पर बाद में यह बढ़त को बरकरार नहीं रख पाया।

सोना सस्ता, चांदी की कीमत बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को जहां एक ओर क्रूड ऑयल के दाम में इजाफा हुआ और यह एक बार फिर 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। वहीं सोने की कीमत में कमी आई है, जबकि चांदी के भाव में उछाल जारी है। होली के त्योहार पर जोरदार उछाल के बाद अब सोने के भाव में नरमी आई है। हालांकि, चांदी की कीमत में अभी भी तेजी जारी है। सोमवार को सोने की कीमत 0.15 फीसदी टूटकर 51,372 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई है, जबकि चांदी के दाम में 0.21 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर चांदी का भाव सोमवार को उछलकर 68,019 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। बता दें कि बीते माह चांदी ने 74 हजार रुपए प्रति किलोग्राम का आंकड़ा छुआ था। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

गिरावट के दौर में निफ्टी मेटल ने किया बेहतर प्रदर्शन

मुंबई (ईएमएस)। अच्छे वैश्विक संकेतों के कारण सोमवार को मुख्य इंडेक्स तेजी के साथ खुले। निफ्टी करीब 42 अंक चढ़कर खुला, लेकिन बाद में इस पर बिकवाली का दबाव देखने को मिला। आखिर में निफ्टी करीब 0.98 फीसदी गिरकर 17117.60 अंकों के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप ने भी अपनी सुबह की तेजी गंवा दी।

सभी सेक्टर के इंडेक्स बंद होते-होते गिरावट में पहुंच गए। निफ्टी मेटल ने अन्य इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया, और करीब 1.5 फीसदी चढ़कर बंद हुआ। हालांकि, अधिकतर सेक्टर जैसे एफएमसीजी, बैंक, ऑटो में तगड़ी बिकवाली देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर गिरते बाजार में कुछ स्टॉक्स ने शानदार रिकवरी की है, वहां भी अपने निचले लेवल से। निचले स्तर से अचानक तेजी आने का मतलब है, कि इन शेयरों में आने वाले सत्र में भी तेजी देखने को मिल सकती है।

एफएमसीजी उत्पाद 10 फीसदी हो सकते हैं महंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। दैनिक उपयोग में आने वाले उत्पादों की कीमत में बढ़ोतरी हो सकती है। गेहूं, पाम तेल और पैकेजिंग सामान जैसे जिंसों के दामों में उछाल की वजह से एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही हैं। इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से भी एफएमसीजी कंपनियों को झटका लगा है। उनका मानना है कि इसके चलते, गेहूं, खाद्य तेल और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आएगी। डाबर और पारले जैसी कंपनियों की स्थिति पर नजर है और वे मुद्रास्फीतिक दबाव से निपटने के लिए वह यह कदम उठाने पर ?विचार कर सकती है। जानकारी के मुता?बिक हिंदुस्तान यूनिलीवर और नेस्ले ने पिछले सप्ताह अपने खाद्य उत्पादों के दाम बढ़ा दिए हैं। पारले प्रोडक्ट्स के वरिष्ठ अ?धिकारी कहते हैं ?कि कंपनी उत्पादों की कीमतों में 10 से 15 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। उन्होंने कहा कि कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव है। ऐसे में अभी तक कहना मुश्किल है कि मूल्य वृद्धि कितनी होगी। उन्होंने बताया कि पाम तेल का दाम 180 रुपए लीटर तक चला गया था। अब यह 150 रुपए लीटर पर आ गया है। इसी तरह कच्चे तेल का दाम 140 डॉलर प्रति बैरल पर जाने के बाद 100 डॉलर से नीचे आ गया है।

कच्चे तेल की कीमत दो डालर उछली

- ब्रेंट क्रूड वायदा 1.96 डॉलर चढ़कर 109.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को 2 डॉलर की बढ़ोतरी देखी गई है क्योंकि यूक्रेनी सेना ने रूसी हमलों के खिलाफ रक्षात्मक स्थिति अपनाई और वहीं दूसरी ओर प्रमुख तेल उत्पादकों ने बताया कि वह आपूर्ति समझौते के तहत अपने आवंटित कोटा का उत्पादन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेंट क्रूड वायदा 1.96 डॉलर या 1.8 फीसदी चढ़कर 109.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसमें शुक्रवार को भी 1.2 फीसदी की वृद्धि हुई थी। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 2 फीसदी बढ़कर 106.79 डॉलर हो गया। इसमें भी बीते शुक्रवार को 1.7 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी। कीमतों में बढ़ोतरी तब हुई जब सोमवार सुबह यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री इरिना वर्शचुक ने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि देश की सेना पूर्वी बंदरगाह वाले शहर मारियो पोल में आत्मसमर्पण करेंगी। एएनजेड के विश्लेषकों ने कहा ?कि बाजार आपूर्ति में व्यवधान के बारे में चिंतित है, डेटा के अनुसार वह पहले से ही प्रभावित हो रहा है। रूस सहित पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और सहयोगियों (ओपेक प्लस) की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ उत्पादक अभी भी अपने सहमत आपूर्ति कोटा को पूरा नहीं कर पा रहे हैं।

ओपेक प्लस देशों का फरवरी में अपने उत्पादन लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाए। इसमें एक मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से अधिक की कमी रही। तीन सूत्रों ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी। उन्हें समझौते के तहत हर महीने 400,000 बीपीडी उत्पादन को बढ़ावा देना था क्योंकि इससे पहले वह 2020 में कटौती कर चुके थे और अब उसकी भरपाई करनी थी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने अब तक प्रमुख उपभोक्ता देशों द्वारा तेल की कीमतों को कम करने में मदद के लिए उत्पादन में तेजी लाने के आह्वान का विरोध किया है। कम आपूर्ति और उच्च कीमतों ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को चार महीनों के भीतर तेल के उपयोग में 2.7 मिलियन बीपीडी की कटौती करने के तरीकों की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रेरित किया, जिसमें कार-पूलिंग, कम गति सीमा और सस्ता सार्वजनिक परिवहन शामिल है।

जापान की कंपनी लेक्सस भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। भारत में ?विकास के अगले चरण की ओर बढ़ रही लग्जरी कार कंपनी लेक्सस अब यहां के बाजार में अपने बिक्री नेटवर्क को मजबूत करने और इलेक्ट्रिक कारों समेत नए मॉडल बाजार में उतारने की तैयारी पर ?विचार कर रही है। कंपनी के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जापान की कार विनिर्माता कंपनी टोयोटा की लग्जरी कार इकाई लेक्सस ने भारत में परिचालन 2017 में शुरू किया था और अभी यह देश में सात कार मॉडल बेचती है जिनमें स्थानीय स्तर पर विनिर्मित ईएस 300 एच सेडान भी शामिल है। स्वतः चार्ज होने वाली अपनी हाइब्रिड कारों के लिए पहचानी जाने वाली लेक्सस बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में कदम रखने की तैयारी कर रही है। लेक्सस इंडिया के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि अभी कार मॉडल यूएक्स का पूर्ण बैटरी इलेक्ट्रिक रूप में भारतीय जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से आकलन किया जा रहा है। परीक्षण में विशेषकर गर्मी और धूल के बैटरी पर असर का पता लगाने के बाद कंपनी देश में इस मॉडल को उतारने के बारे में गंभीरता से विचार कर सकती है। भविष्य में चार्जिंग अवसंरचना के विकास के साथ कंपनी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए और भी तैयार होगी।

यूक्रेन पर परमाणु हमले की तैयारी, पुतिन ने परिवार को खुफिया शहर में छिपाया

मास्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध 26 वें दिन में प्रवेश कर गया है। यूक्रेन के कई शहरों में भीषण लड़ाई जारी है। रूस ने यूक्रेन के शहर मारियुपोल को चारों तरफ से घेर रखा है और लगातार हमले किए जा रहे हैं। इसी बीच अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल अभ्यास करने की तैयारी कर रहे हैं।

जिसके लिए उन्होंने अपने परिवार को एक खुफिया अंडरग्राउंड शहर में छुपा दिया है। खबर के मुताबिक पुतिन कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और यह भी दावा किया था कि यूक्रेन युद्ध में रूसी सैनिकों की मौतों का आंकड़ा कीव के अनुमान 17000 मोतों से कहीं ज्यादा है। सूत्र ने एक टेलीग्राम चैनल के हवाले से बताया कि पुतिन इन दिनों उदास और अकेला महसूस कर रहे हैं। वह कई बार वह अपना गुस्सा अपने करीबी लोगों पर उतार रहे हैं।

इस समय पुतिन किसी से भी खुलकर बातचीत नहीं करते हैं। वह अपनी बेटियों के साथ भी बेहद सीमित संपर्क में हैं। पुतिन ने हाल ही में परमाणु अभ्यास की बात कहकर अपने टॉप जनरलों को चौंका दिया था। इससे रूस यूक्रेन के बीच परमाणु टकराव का खतरा बढ़ गया है। खबर के मुताबिक एक रूसी विशेषज्ञ ने इससे पहले दावा किया था कि पुतिन ने अपने परिवार को संभावित परमाणु युद्ध से बचाने के लिए एक विशालकाय अंडरग्राउंड शहर में छिपा दिया है।

शनिवार को रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अपनी महा विनाशक किंझल हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग किया और यूक्रेन के एक सैन्य अड्डे को उड़ा दिया। इससे पहले रूस ने इस महीने की शुरुआत में परमाणु बलों को हाई अलर्ट पर रखा था। इससे पहले पुतिन ने नाटो को धमकी देते हुए कहा था कि अगर वे यूक्रेन युद्ध में किसी भी तरह का हस्तक्षेप करते हैं तो उन्हें इतिहास के सबसे भयावह परिणाम भुगतने होंगे।

सबसे खतरनाक किंझाल मिसाइल से तबाह किया यूक्रेन का तेल स्टोरेज, रूसी ने किया दावा

मास्को (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध का आज 26वां दिन है। फिलहाल यह युद्ध खत्म होता नहीं दिख रहा है। पिछले कुछ दिनों में रूस ने यूक्रेन पर हमला और तेज कर दिया है। रूस ने दावा किया है कि उसने अपने सबसे खतरनाक मिसाइल किंझाल से एक बार फिर यूक्रेन पर हमला किया है, जिसमें यूक्रेन के दक्षिण में तेल भंडार को नष्ट किया गया है।

रूस के इस दावे से दुनिया में चिंता पैदा हो गई है। माना जा रहा है कि किंझाल मिसाइल दुनिया की सबसे खतरनाक मिसाइल है, जो ध्वनि की गति से 10 गुना ज्यादा तेज चलकर दुश्मन के ठिकाने को ध्वस्त कर देती है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसने एक बार फिर नई हाइपरसोनिक मिसाइल किंझाल से यूक्रेन पर हमला किया है जिसमें यूक्रेन के दक्षिण में एक तेल भंडार को नष्ट किया गया है।

रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस हाइपरसोनिक बैलेस्टिक मिसाइल ने बड़े पैमाने पर यूक्रेन के मिलिट्री फ्यूल और ल्यूब्रिकेंट स्टोरेज को तबाह किया है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक किंझाल मिसाइल को माइकोलेव क्षेत्र के कोस्तियातीनिवका में बड़े पैमाने पर जमा तेल भंडार को नष्ट करने के लिए छोड़ा गया था। रूस ने किंझाल मिसाइल से लगातार दूसरे दिन हमला करने का दावा किया है। किंझाल मिसाइल की मारक क्षमता 2000 किलोमीटर है और ध्वनि से 10 गुना तेज इसकी गति है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किंझाल को मार्च 2018 में सार्वजनिक किया था और इसे एक आदर्श हथियार बताया था।

अमेरिकी थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रटीजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज के मुताबिक, यह मिसाइल परमाणु बम को गिराने की क्षमता रखती है। इस मिसाइल को किसी भी लड़ाकू विमान से 480 किलोग्राम परमाणु बम के साथ गिराया जा सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि हिरोशिमा में जो परमाणु बम गिराया गया था उससे किंझाल की क्षमता 33 गुना अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक किंझाल 12,350 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दुश्मन के ठिकानों तक पहुंच सकती है। तेज रफ्तार के कारण यह रडार को आसानी से चकमा दे देती है। किंझाल हाइपरसोनिक मिसाइल 8 मीटर लंबी और एक मीटर चौड़ी होती है। इसका लॉन्च वेट करीब 4300 किलो होता है। यह जमीन से लेकर समुद्र तक में सटीक निशाना लगा सकती है।

भारतीय अर्थशास्त्री जयंती घोष संयुक्त राष्ट्र के उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में शामिल

जेनेवा (ईएमएस)। भारतीय विकास अर्थशास्त्री जयंती घोष को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने प्रभावी बहुपक्षवाद पर एक नए उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया है। घोष (66) यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स आम्हर्स्ट में प्रोफेसर हैं। वह पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज में आर्थिक अध्ययन और योजना केंद्र की अध्यक्ष और अर्थशास्त्र की प्रोफेसर रह चुकी हैं।

वह अर्थव्यवस्था और सामाजिक मामलों पर संयुक्त राष्ट्र के उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड की भी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने गत शुक्रवार को प्रभावी बहुपक्षवाद पर सलाहकार बोर्ड की स्थापना की घोषणा की थी, जिसकी सह-अध्यक्षता लाइबेरिया की पूर्व राष्ट्रपति और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित एलेन जॉनसन सरलीफ और स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन करेंगे।

घोष को 12 सदस्यीय बोर्ड में नामित किया गया है, जिसके काम में महासचिव के शासकीय कार्यालय के करीबी समन्वय के साथ संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के नीति अनुसंधान केंद्र द्वारा सहयोग दिया जाएगा। गुतारेस ने पिछले साल जनवरी में घोष को कोविड-19 के बाद की स्थिति में दुनिया में सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव को सिफारिशें देने वाले उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में शामिल किया था।

म्यांमा में रोहिंग्या मुस्लिमों के दमन को नरसंहार घोषित कर सकता है अमेरिका

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का प्रशासन म्यांमा में रोहिंग्या मुसलमानों पर वर्षो से हो रहे अत्याचारों को नरसंहार घोषित करने पर ?विचार कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों से यह जानकारी ?मिली है। अधिकारियों ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की सोमवार को यूएस होलोकॉस्ट मेमोरियल म्यूजियम में होने वाले एक कार्यक्रम में रोहिंग्या मुसलमानों के दमन को नरसंहार' घोषित करने की योजना है। इस घोषणा का मकसद म्यांमा की सैन्य सरकार के खिलाफ नए कदम नहीं उठाना है, क्योंकि वह पहले से ही रोहिंग्या जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ अभियान को लेकर अमेरिका के कई प्रतिबंधों का सामना कर रही है। म्यांमा की सेना ने साल 2017 में पश्चिमी रखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ अभियान चलाया था। हालांकि, अमेरिका के इस कदम से म्यांमा सरकार पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ सकता है, जो द हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्याय अदालत में पहले से ही नरसंहार के आरोपों का सामना कर रही है। मानवाधिकार समूह और सांसद अमेरिका के पूर्ववर्ती ट्रंप प्रशासन और मौजूदा बाइडन प्रशासन, दोनों पर ही रोहिंग्या मुसलमानों पर होने वाले अत्याचारों को नरसंहार घोषित करने का दबाव बनाते रहे हैं।

रूस-यूक्रेन जंग के कारण रूस-यूरोपीय मंगल अभियान कैंसिल

ाास्को (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते विश्व दो फाड़ हो गया है। रूस से केवल अमेरिका और नाटो देशों के साथ ही संबंध खराब नहीं हुए हैं। रूस को यूक्रेन का यूरोपीय संघ के प्रति झुकाव पर भी ऐतराज था। यूक्रेन की के साथ कुछ नजदीकियां रही हैं तो यूरोपीय संघ से भी वह काफी निकट रहा है और यूरोपीय संघ भी यूक्रेन के साथ कई बार दिखा है। लेकिन युद्ध से रूस ने एक तरह से पूरे यूरोप को अपने खिलाफ कर लिया है। इसका सीधा असर रूस यूरोप के अंतरिक्ष संबंधों पर हुआ है और रूस एवं यूरोप का संयुक्त मंगल अभियान इस युद्ध की भेंट चढ़ गया है। यूरोपीय स्पेस एजेंसी ने बयान में कहा है रूसी योरोपीय अभियान जो मंगल पर रोवर भेजने के लिए तैयार किया जा रहा था रूस के यूक्रेन पर हमले के कारण रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के लगने से रद्द कर दिया गया है। एजेंसी ने ने अपना एक्सोमार्स अभियान के रद्द करने की पुष्टि करते हुआ है कि यूक्रेन में लोगों के मारे जाने और युद्ध से होने वाली अन्य नुकसान की निंदा की।

एक्सोमार्स अभियान इस साल सितंबर को लॉन्च किए जाने की तैयारी थी जिसके लिए रूस लॉन्चर से रोवर मंगल ग्रह पर भेजे जाना था जो मंगल पर मिट्टी का अध्ययन कर वहां जीवन के संकेतों की पड़ताल करने वाला था। वहीं रूसी स्पेस एजेंसी रोसकोसमोस ने भी यूरोपीय यूनियन के प्रतिबंधों पर प्रतिक्रिया दी और फ्रेंच गुयाना स्थिति यूरो के स्पेस पोर्ट कोउरोउ से अपने सौ से भी ज्यादा कर्मचारी वापस बुला लिए हैं और प्रक्षेपण रद्द कर दिए हैं। यूरोपीय स्पेस एजेंसी की रूलिंग काउंसिल ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि उसके डायरेक्टर जनरल एक फास्ट ट्रैक उद्यम अध्ययन करेगें जिससे एक्सोमार्स रोवर अभियान को आगे ले जाने के लिए उपलब्ध विकल्पों को बेहतर तरीके से परिभाषित किया जा सके। एक्सो मार्स की साल 2020 में प्रक्षेपित करने की योजना थी। साल 2019 में ही कोविड महामारी फैलने से यह अभियान टाल दिया गया था और अब इसे सितंबर में कजाकिस्तान के बाइकोनूर कॉज्मोड्रोम से रूस के प्रोटोन रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया जाना तय हुआ था, जहां इसे मंगल की मिट्टी तक रूस के काजाचोक लैंडर के द्वारा पहुंचाना था।

यूरोपीय स्पेस एजेंसी का इस रोवर का नाम अंग्रेज कैम्स्ट और डीएनए विशेषज्ञ रोजालिंद फ्रैंकलीन के नाम पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि बिना रूसी मदद के इस रोवर पर बहुत सारा काम करने की जरूरत पड़ेगी और मंगल के लिए प्रक्षेपण समय केवल दो साल में एक बार ही आता है। एजेंसी का कहना है कि उसके सभी अभियान जो रूस के सुयोज रॉकेट का उपयोग करने वाले थे, रद्द कर दिए गए हैं। इसमें यूरोप के गैलीलियो जीपीएस सिस्टम, यूक्लिड स्पेस टेलीस्कोप अभियान का प्रक्षेपण और यूरोपीय जापानी अर्थकेयर अवलोकन सैटेलाइट का प्रक्षेपण शामिल है। ईसा ने अपने बयान में जोड़ा है कि इस बीच इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन कार्यक्रम काम करता रहेगा।

जहर देकर हत्या की आशंका में पुतिन ने एक हजार कर्मचारियों को बर्खास्त किया, गुप्त स्थान पर भेजा अपना परिवार

मास्को (ईएमएस)। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सुरक्षा को लेकर 'चिंता' में पड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक संभावित परमाणु हमले के डर से अपने परिवार को एक रहस्यमय अंडरग्राउंड शहर में छिपा चुके हैं। पुतिन का खौफ इतना बढ़ गया है कि उन्होंने अपने पर्सनल स्टाफ के 1000 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे जहर देकर उनकी हत्या कर सकते हैं।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पुतिन ने डर के मारे अपने सैकड़ों पर्सनल स्टाफ को बदल दिया है। इसमें पुतिन के कुक, सचिव, लॉन्ड्री वर्कर्स और बॉडीगार्ड्स शामिल हैं। पिछले 26 दिनों से रूस-यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध छिड़ा हुआ है और अभी तक यूक्रेनी राजधानी कीव जेलेंस्की सरकार के नियंत्रण में है। अब तक पांच रूसी जनरल और हजारों की संख्या में सैनिकों की मौत हो चुकी है। एक फ्रांसीसी एजेंट ने दावा किया है कि क्रेमलिन के भीतरी लोग तख्तापलट कर पुतिन को सत्ता से बेदखल कर सकते हैं। इसका एक तरीका 'रूसी राष्ट्रपति की हत्या' भी हो सकता है।

खबर के मुताबिक रूस की वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों ने सार्वजनिक रूप से पुतिन के करीबी लोगों को उनकी हत्या करने के लिए उकसाया है। लिहाजा पुतिन का डर निराधार नहीं है। दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ट्वीट कर पुतिन की हत्या का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था इन सब को खत्म करने का एकमात्र तरीका यही है कि कोई इस शख्स (पुतिन) को निकाल बाहर करे। यह आप अपने देश के लिए करेंगे, दुनिया के लिए करेंगे। फ्रांसीसी खुफिया अधिकारी ने दावा किया कि अगर पुतिन की हत्या की जाती है तो जहर इसका एक संभावित तरीका हो सकता है। रूसी सरकार को अपने दुश्मनों के खिलाफ जहर का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है। फ्रेंच एजेंट ने बताया कि यह प्रयास क्रेमलिन के भीतर से ही किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रशियन इंटेलिजेंस एकमात्र एजेंसी बची है जो जहर का इस्तेमाल करती है।

दुनिया में फिर से बढ़ रहे कोरोना के मामले, भारत को लेकर विशेषज्ञों ने कहा

लंदन (ईएमएस)। दुनिया के तमाम देशों में फिर कोरोना के केस तेजी से बढ़ने लगे हैं। पिछले 24 घंटे में दुनियाभर में कोरोना के 11 लाख से ज्यादा केस सामने आए हैं। इतना ही नहीं इस दौरान 2917 लोगों ने जान गंवा दी। इनदिनों साउथ कोरिया में अभी सबसे ज्यादा केस मिल रहे हैं। कोरिया में पिछले 24 घंटे में 3.34 लाख केस मिले हैं। यहां पिछले तीन दिन में करीब 11 लाख से ज्यादा कोरोना केस मिले हैं। उधर, चीन में फिर कोरोना से हालात बेकाबू होने लगे हैं। इसकारण कई जगहों पर नए प्रतिबंधों का ऐलान किया गया है। साउथ कोरिया में 20 मार्च को कोरोना के 334708 केस मिले। वहीं, 19 मार्च को 381329 केस और 18 मार्च को 407017 केस मिले। यहां पिछले तीन दिन में करीब 900 से ज्यादा लोगों की जान गई है। साउथ कोरिया में अब तक 9,582,815 लोग संक्रमित हो चुके हैं। 12,757 लोग महामारी से अपनी जान गंवा चुके हैं।

चीन कोरोना से दो साल में सबसे बुरे दौरा का सामना कर रहा है।यहां दूसरे सबसे बड़े शहर जिलिन में प्रतिबंधों का ऐलान किया गया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के चलते सोमवार से 45 लाख लोग घरों में कैद हो गए। चीन में रविवार को 4,000 से ज्यादा नए केस मिले। इसमें दो तिहाई केस जिलिन प्रांत में मिले। जिलिन की सीमा उत्तरी कोरिया और रूस से मिलती है।

चांगचुन प्रशासन ने कहा है कि प्रतिबंध और कड़े किए जाएंगे। यहां 11 मार्च से 90 लाख लोग घरों में कैद हैं। यहां लोगों को दो दिन में सिर्फ एक बार खाने का सामान खरीदने के लिए घरों से बाहर आने की छूट है। इससे पहले शनिवार को चीन में कोरोना से दो लोगों की मौत हो गई। एक साल से ज्यादा समय के बाद चीन में कोरोना से किसी की जान गई है। चीन के कई राज्यों में करोड़ों लोग लॉकडाउन में रह रहे हैं।

दुनियाभर में भले ही कोरोना के केस तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन भारत को लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में भविष्य में आने वाली कोरोना की लहरों के गंभीर प्रभाव होने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में तेजी से हो रहे वैक्सीनेशन और नेचुरल इम्युनिटी के चलते आने वाले समय में कोरोना की लहरों का गंभीर प्रभाव होने की संभावना नहीं है। वहीं, कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि कोरोना के केस और डेथ कम हुए हैं,इसके बाद सरकार को अनिवार्य मास्क में ढिलाई देने पर विचार करना चाहिए। एम्स के एक्सपर्ट और कोवैक्सिन ट्रायल के प्रमुख डॉ संजय राय ने कहा, सोर्स-सीओवी-2 एक आरएनए वायरस है। इसमें म्यूटेशन होना तय है। उन्होंने कहा, अभी तक 1,000 म्यूटेशन हो चुके हैं। लेकिन सिर्फ 5 वैरिएंट ने चिंताएं बढ़ाई हैं। डॉ राय ने कहा, पिछले साल कोरोना की दूसरी लहर भारत के लिए विनाशकारी साबित हुई। यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन मौजूदा समय में यह हमारी मुख्य ताकत है। क्योंकि नेचुरल संक्रमण सुरक्षा की बेहतर और लंबी अवधि प्रदान करता है। इसके साथ ही भारत में बड़ी संख्या में वैक्सीनेशन हो रहा है।

श्रीलंका को 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा देने पर विचार कर रहा चीन

कोलंबो (ईएमएस)। चीन गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे श्रीलंका को 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा देने पर विचार कर रहा है। श्रीलंका में चीनी राजदूत ने कहा कि श्रीलंका ने चीन से 2.5 अरब डॉलर की ऋण सुविधा मांगी है, जिसमें 1.5 अरब डॉलर का खरीदार ऋण भी शामिल है। राजदूत ने कहा, श्रीलंका के इस अनुरोध पर अभी विचार हो रहा है। इसके पहले भारत की तरफ से भी श्रीलंका को 50 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा मिल चुकी है। फरवरी में दी गई इस ऋण सुविधा का इस्तेमाल श्रीलंका को पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए करना था। इसके साथ ही चीनी राजदूत ने कहा कि दोनों देश अब इस पर चर्चा करने वाले हैं कि कर्ज और खरीदार ऋण का इस्तेमाल किस तरह से किया जाएगा।

खरीदार ऋण किसी विदेशी कर्जदाता की तरफ से आयातक को उत्पाद या सेवाओं की खरीद के लिए दिया जाने वाला अल्पावधि ऋण होता है। एक निर्यात वित्त एजेंसी इस कर्ज की गारंटी देती है, जिससे निर्यातक के लिए जोखिम कम हो जाता है। हालांकि, झेनहॉन्ग ने इस सवाल का कोई सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या चीन श्रीलंका पर बकाया कर्ज का पुनर्गठन करने की सोच रहा है? उन्होंने इतना जरूर कहा कि चीन श्रीलंका की मौजूदा स्थिति का फायदा नहीं उठाना चाहता है, उसकी मदद के लिए हमेशा तैयार है। विदेशी मुद्रा संकट की वजह से श्रीलंका पेट्रोलियम उत्पादों एवं अन्य जरूरी सामान की खरीद नहीं कर पा रहा है। इस परेशानी से निजात पाने के लिए उसने पहले भारत और अब चीन से ऋण सुविधा लेने का रास्ता चुना है।

उत्तर कोरिया ने दागे रॉकेट लॉन्चर, दक्षिण कोरिया हुआ अलर्ट

-एक और सैन्य संघर्ष की आशंका गहराई

सियोल (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूसी हमले के 26 दिन हो गए और इसके शांत होने के आसार नहीं दिख रहे इस बीच एक और सैन्य संघर्ष की आशंका गहराने लगी है। दरअसल उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के तेवरों से यह चिंता बढ़ने लगी है। नॉर्थ कोरिया हथियारों की होड़ में ताबड़तोड़ परीक्षण कर रहा है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया है कि नॉर्थ कोरिया ने लेटेस्ट मिसाइल लॉन्च असफल होने के कुछ दिनों बाद ही रविवार को कम दूरी के कई रॉकेट लॉन्चर दागे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसी अटकले लगाई जा रही हैं कि उत्तर कोरिया जल्द ही अपने हथियारों के शस्त्रागार को मजबूत करने और अमेरिका से रियायतें हासिल करने के लिए दबाव बनाने की कोशिश करते हुए अपनी सबसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च करने का प्रयास कर सकता है।

इससे पहले बुधवार को दक्षिण कोरिया ने कहा था कि उत्तर कोरिया हवा में मिसाइल विस्फोट में ह्वासोंग-17 मिसाइल के कुछ हिस्से शामिल हैं, जो नॉर्थ कोरिया का सबसे बड़ा हथियार है। अब रविवार को दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि, उन्हें यह पता चला है कि उत्तर कोरिया ने पश्चिमी तट से मल्टीपल रॉकेट लॉन्च किए हैं। साउथ कोरिया की डिफेंस मिनिस्ट्री ने कहा कि, हमारी सेना नॉर्थ कोरिया के हर कदम पर नजर बनाए हुए हैं। दक्षिण कोरिया के सैन्य प्रमुख ने एक बयान में कहा कि, आज सुबह, उत्तर कोरिया में फायरिंग हुई थी जिसमें कई रॉकेट लॉन्चर फायर किए गए है। हमारी सेना संबंधित हालात की निगरानी कर रही थी और हर हालात के लिए तैयार थी। समाचार के अनुसार, उत्तर कोरिया की सेना ने दक्षिण प्योंगन प्रांत में एक अज्ञात स्थान पर पश्चिमी तट से लगभग एक घंटे तक सुबह करीब 7.20 बजे 4 फायर किए गए। दक्षिण कोरिया की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने इन प्रक्षेपणों को लेकर एक आपात उप-मंत्रालय बैठक की। बयान में कहा गया है कि साउथ कोरिया अपने सहयोगी अमेरिका के साथ मिलकर सैन्य शक्ति और सहयोग के मोर्चे पर काम कर रही है।

पस्त रूसी सैनिक पुतिन पर भड़के, बोले- चाहें जितनी सेना भेज लो नहीं कर पाओगे कब्जा

कीव (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच विगत 26 दिन से लगातार युद्ध जारी है। लेकिन रूसी सैनिक अब इस जंग में पस्त हो चुके हैं। निराश सैनिक अब घर लौटना चाहते हैं और इसके लिए वे खुद को गोली मारने के लिए भी तैयार हैं। एक हालिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि यूक्रेन में पकड़े गए रूसी सैनिक अब अपने लोगों से पुतिन के खिलाफ आवाज उठाने की अपील कर रहे हैं। ये सैनिक दुनिया को बता रहे हैं कि कैसे उनके साथियों को सामूहिक कब्रों में दफन किया जा रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रूसी सैनिकों के एक समूह ने अपनी सरकार के खिलाफ आवाज उठाई। एक खबर के अनुसार अलेक्सी जेलेज़्नाक, मुस्तफ़ेव मुगसाद, इगोर रुडेंको, अलेक्जेंडर फोमेंको और बाकी सैनिक रूसी हमले के खिलाफ अपने विरोध के बारे में पत्रकारों को बताते हुए भावुक हो गए। रूसी सैनिक जेलेज़्नाक ने पुतिन को चेतावनी दी कि वह कभी भी यूक्रेन पर कब्जा करने के लिए पर्याप्त सैनिक नहीं भेज पाएंगे।

उन्होंने कहा कि पुतिन झूठे और धोखेबाज व्यक्ति हैं। वह यूक्रेन के शहरों, अस्पतालों और नागरिकों पर बम बरसा रहे हैं। रूस के लोगों ..यूक्रेन की जनता बहुत बहादुर है। वे रूसी उपकरणों को बिना हथियारों के भी रोक सकते हैं। वे सब एक हैं। रूसी सैनिक ने कहा कि पुतिन चाहें जितनी सेना यहां भेज लें, वह कभी भी इस क्षेत्र पर कब्जा नहीं कर पाएंगे। हमारे कमांडर भी झूठे और धोखेबाज हैं। उन्होंने न सिर्फ हमारे साथ बल्कि पूरे रूस के साथ धोखा किया है। रूसी सैनिक मुगसाद ने अपने देश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि पुतिन के प्रोपेगेंडा को नजरअंदाज करें। लोग हमारी आक्रामकता को सदियों तक याद रखेंगे। उन्होंने माफी मांगते हुए कहा कि रूसी सैनिकों ने एक दिन में यूक्रेनी लोगों के शांतिपूर्ण जीवन को बर्बाद कर दिया। रुडेंको ने दावा किया कि रूसी सैनिक पहले ही हार चुके हैं और यूक्रेनी सेना उन्हें 'तबाह' कर देगी। उन्होंने दावा किया कि लगभग एक महीने पहले शुरू हुए संघर्ष में 15000 सैनिक पहले ही मारे जा चुके हैं।

यूक्रेन पर हमले के बाद रूस में बड़ी संख्या में लोग युद्ध के विरोध में सड़कों पर उतर आए थे। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया था। यूक्रेन में जंग लड़ रहे रूसी सैनिक अब घर लौटना चाहते हैं और इसके लिए उन्हें यूक्रेन के हथियारों की तलाश है। एक रिपोर्ट के मुताबिक वे यूक्रेन की बंदूक से अपने पैर पर खुद गोली मारकर इलाज के बहाने घर वापस लौटने का प्लान बना रहे हैं क्योंकि युद्ध से भगोड़े सैनिकों के लिए पुतिन की 'डेथ स्क्वाड' तैयार खड़ी है।

राज्य में 33 ज़िलों में 75 स्थानों पर पीएम मोदी को प्रिय बरगद के पेड़ के 'नमो वड वन' का निर्माण किया जाएगा

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्यव्यापी 'नमो वड वन' अभियानका गांधीनगर से कराया शुभारंभ

- आज़ादी के अमृत महोत्सव वर्ष के अंतरराष्ट्रीय वन दिवस पर गुजरात की देश के लिए दिशासूचक पहल

अहमदाबाद (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने देश की आज़ादी के 75 वर्ष के अवसर पर मनाए जा रहे 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय वन दिवस यानि 21 मार्च सोमवार को गुजरात में एक उदाहरणीय और देश के लिए मार्गदर्शक अभियान का शुभारंभ कराया है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को गांधीनगर में बरगद का पेड़ लगाया और प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी को प्रिय बरगद के पेड़ों के 'नमो वड वन' का निर्माण करने के पर्यावरणीय अभियान का राज्यव्यापी शुभारंभ कराया। 'नमो वड वन' अभियान के अंतर्गत वन विभाग द्वारा राज्य के 33 ज़िलों में 75 बड़ वन स्थापित किए जाएँगे और प्रत्येक वन में बरगद के 75 पेड़ लगाए जाएँगे। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से मनाए जा रहे 'आज़ादी का अमृत महोत्सव-आज़ादी के 75वें वर्ष' में वन विभाग का 'नमो वड वन' निर्माण अभियान राज्य में वटवृक्ष की पौराणिक तथा ऐतिहासिक महत्ता पुनः स्थापित करेगा।इतना ही नहीं, इस अभियान से राज्य सरकार के ग्रीन कवर बढ़ाने के दृष्टिकोण को भी वेग मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 'नमो वड वन' बुवाई कार्यक्रम में 33 ज़िलों के 75 स्थानों पर सहभागी हुए नागरिकों तथा वन प्रेमियों को 'बाईसैग' के माध्यम से प्रेरक संदेश दिया और उनके साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वॉर्मिंग की समस्या से जूझ रहा है, तब प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के मार्गदर्शन में हमने वन के साथ जन को जोड़ कर राज्य में अलग-अलग स्थानों पर वनों का निर्माण किया है। हमने वन महोत्सवों के माध्यम से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर ग्रीन कवर बढ़ाने का मार्ग अपनाया है। इस संदर्भ में उन्होंने जोड़ा कि कोरोना की वैश्विक महामारी ने हमें स्वच्छ प्राण वायु का महत्व समझा दिया है। ये वन महोत्सव तथा हरियाली क्रांति अधिक से अधिक पेड़ लगा कर प्राकृतिक प्राण वायु और बड़ के पेड़ जैसे अक्षय वृक्ष से स्वच्छ प्राकृतिक ऑक्सीजन प्राप्त करने में उपयुक्त बने हैं। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि बरगद के पेड़ का हमारे पुराणों में भी महत्वपूर्ण उल्लेख है। इतना ही नहीं, वटवृक्ष की उपयोगिता तथा मानव जीवन में इसके उपकारों को परिणामस्वरूप बरगद को राष्ट्रीय वृक्ष माना गया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य में स्थापित होने वाले बरगद के पेड़ों के 'नमो वड वन' आगामी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण सुरक्षा तथा स्वच्छ वायु की देन सिद्ध होंगे। उन्होंने गुजरात में वन सम्पदा के संवर्द्धन, जतन तथा संरक्षण के लिए जनभागीदारी से अपनाए गए आयामों की सफलता की भूमिका दी। फ़ॉरेस्ट सर्वे ऑफ़ इण्डिया की 2021 की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले दो वर्षों में वृक्षाच्छादित क्षेत्र में 6900 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है। राज्य में वर्ष 2003 में वन क्षेत्र से बाहर लगभग 25.10 करोड़ पेड़ थे। वर्ष 2021 की वृक्ष गणना के अनुसार राज्य में वन क्षेत्र से बाहर पेड़ों की संख्या 39.75 करोड़ हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पृथ्वी पर समग्र जीव सृष्टि के अस्तित्व के आधार समान पेड़ों, वनों तथा वनस्पतियों के जतन-संवर्द्धन की परम्परा हमारी संस्कृति में बुनी हुई है। इसीलिए पेड़ों-वन्यजीवों की आदि-अनादि काल से पूजा-अर्चना होती आई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन क्षेत्र में रहने वाले वनबंधुओं के जीवन का आर्थिक आधार वन्य उत्पाद हैं। हमें इन वनबंधुओं को आत्मनिर्भर बना कर 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' साकार करना है। उन्होंने इस संदर्भ मे कहा कि वनबंधुओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों का विस्तार) अधिनियम (ईईं) 1996 के अंतर्गत स्थानीय वनबंधुओं को उनके गौण वन्य उत्पादों के विक्रय अधिकार दिए गए हैं। इतना ही नहीं, वन क्षेत्र में उत्पादित 30 से 35 लाख बाँसों की बिक्री से भी वनबंधुओं को आजीविका मिली है। राज्य सरकार ने इस वर्ष के बजट में 'बाम्बू मिशन' योजना के तहत 5891 हेक्टेयर में बाँस की बुवाई के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के वास्ते 20 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहने वाले बरगद के पेड़ों की भाँति सरकार के विकास कार्य भी दीर्घकालीन तथा सस्टेनेबल हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने गुजरात में विकास कार्यों के जो बीज बोए थे, वे बीज अब विकास के वटवृक्ष बन कर करोड़ों नागरिकों को सुशासन की विशिष्ट सुख-सुविधाएँ दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि पेड़-वन पर्यावरण की सुरक्षा करते हैं और साथ ही स्वच्छ वायु, निर्मल जल तथा स्वस्थ जीवन के लिए उपकारी हैं। उन्होंने आग्रहपूर्वक अनुरोध किया कि हमें अधिक स्वस्थ व स्वास्थ्यप्रद जीवन के लिए प्रकृति के जतन-संवर्द्धन के साथ रासायनिक खाद मुक्त खेती तथा प्राकृतिक खेती की ओर मुड़ना होगा।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण मंत्री किरीटसिंह राणा ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत में सबसे पहले गुजरात में पृथक क्लाइमेट चेंज विभाग शुरू कर नया मार्ग दिखाया है। ळ- द्वारा पर्यावरण के संरक्षण के लिए वर्ष 2022 में वन दिवस की 'फ़ॉरेस्ट एण्ड सस्टेनेबल प्रोडक्शन एण्ड कंज़म्पशन' थीम निर्धारित की गई है। उन्होने कहा कि गुजरात में वनों के पालन-पोषण-संवर्द्धन के लिए सहकारी मंडलियों स्वयंसहायता समूहों एवं वन मंडलियों द्वारा सामाजिक वनीकरण की अनेक परियोजनाएँ चलाई जाती हैं। गुजरात में 75वें वन महोत्सव में नए 10 करोड़ पेड़ लगाने का संकल्प भी लिया गया है।

वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री जगदीशभाई पंचाल ने कहा कि गुजरात में नवीन वनों के पालन-पोषण के लिए वर्ष 2004 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी द्वारा गांधीनगर में प्रथम सांस्कृतिक पुनित वन की स्थापना की गई थी। आज गुजरात के विभिन्न ज़िलों में कुल 21 सांस्कृतिक वनों का निर्माण किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अत्याधुनिक सेंट्रलाइज़्ड कंट्रोल रूम तथा फ़ॉरेस्ट हेल्पलाइन नंबर 1926 का शुभारंभ कराया। उन्होंने 'नमो वडन वन' पुस्तिका का अनावरण भी किया।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की यात्रा को लेकर जामनगर में जोर शोर से तैयारियां जारी

जामनगर (ईएमएस) राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आगामी 24 और 25 मार्च को सौराष्ट्र यात्रा पर आ रहे हैं राष्ट्रपति जामनगर और देवभूमि द्वारका में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के आगमन से पहले जामनगर में युद्धस्तर पर तैयारियां की जा रही हैं 24 मार्च की सुबह राष्ट्रपति जामनगर पहुंचेंगे और वहां से सीधे देवभूमि द्वारका के लिए रवाना होंगे देवभूमि द्वारका में जगत मंदिर में भगवान द्वारकाधीश के दर्शन करेंगे और रात्रि विश्राम जामनगर के सर्किट हाउस में करेंगे जिसे देखते हुए जामनगर के सर्किट हाउस के सभी कमरों का रिनोवेशन किया जा रहा है रंग रोगन के साथ ही सभी कमरों में बेड, बेडशीट, टीवी और एसी समेत अन्य सजावट की जा रही हैं कुल मिलाकर ऐतिहासक सर्किट हाउस को दुल्हन की भांति सजाया जा रहा है

पश्चिम रेलवे की 6 जोड़ी ट्रेनें वड़ोदरा की बजाय छायापुरी होकर चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा 6 जोड़ी ट्रेनों को वड़ोदरा की बजाय छायापुरी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है। ये ट्रेनें अब बड़ोदरा नहीं जाएगी। इससे वड़ोदरा स्टेशन पर इंजन के रिवर्सल और कंजेशन में लगने वाले समय की बचत होगी। इन ट्रेनों के कुछ स्टेशनों के आगमन प्रस्थान के समय में परिवर्तन किया गया है। जो निम्नानुसार है:-

1. ट्रेन संख्या 22829 भुज-शालीमार सप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22829 भुज-शालीमार सप्ताहिक एक्सप्रेस भुज स्टेशन से 15:05 बजे रवाना होकर 15:45 बजे आदिपुर, 16:05 बजे गांधीधाम, 16:57 बजे भचाऊ, 17:22 बजे सामाख्याली,18:52 बजे धांगध्रा, 21:25 बजे अहमदाबाद, 22:43 बजे आणंद तथा 23:30 बजे छायापुरी पहुंचकर शालीमार के लिए प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन वर्तमान में संचालित नहीं है। पुनः शुरू होने पर उपरोक्त समय एवं ठहराव के साथ चलेगी।

2. ट्रेन संख्या 15635 ओखा-गुवाहाटी सप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 15635 ओखा-गुवाहाटी सप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 25 मार्च 2022 से विरमगाम स्टेशन पर 20:00 बजे, अहमदाबाद 21:25 बजे, नडियाद 22:29 बजे तथा 23:30 बजे छायापुरी स्टेशन पर पहुंचकर गुवाहाटी के लिए प्रस्थान करेगी।

3. ट्रेन संख्या 15667 गांधीधाम-कामाख्या सप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 15667 गांधीधाम-कामाख्या सप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 26 मार्च 2022 से विरमगाम स्टेशन पर 20:00 बजे, अहमदाबाद 21:25 बजे तथा 23:30 बजे छायापुरी स्टेशन पर पहुंचकर कामाख्या के लिए प्रस्थान करेगी।

4. ट्रेन संख्या 12941 भावनगर-आसनसोल सप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12941 भावनगर-आसनसोल सप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 29 मार्च 2022 से नडियाद स्टेशन पर 00:10 बजे तथा 01:07 बजे छायापुरी पहुंचकर आसनसोल के लिए प्रस्थान करेगी।

5. ट्रेन संख्या 22969 ओखा-वाराणसी साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22969 ओखा-वाराणसी साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 24 मार्च 2022 से आणंद स्टेशन पर 00:30 बजे तथा छायापुरी स्टेशन पर 01:07 बजे पहुंचकर वाराणसी के लिए प्रस्थान करेगी।

6. ट्रेन संख्या 12937 गांधीधाम-हावड़ा सप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12937 गांधीधाम-हावड़ा सप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 26 मार्च 2022 से छायापुरी स्टेशन पर 01:07 बजे पहुंचकर हावड़ा के लिए प्रस्थान करेगी।

7. ट्रेन संख्या 12942 आसनसोल-भावनगर एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12942 आसनसोल-भावनगर एक्सप्रेस दिनांक 24 मार्च 2022 से छायापुरी स्टेशन पर 02:15 बजे, 03:13 बजे नडियाद तथा 04:30 बजे अहमदाबाद पहुंचकर भावनगर के लिए प्रस्थान करेगी। अहमदाबाद से भावनगर के बीच इस ट्रेन के समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

8. ट्रेन संख्या 22830 शालीमार-भुज साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22830 शालीमार-भुज साप्ताहिक एक्सप्रेस छायापुरी 04:38 बजे, आणंद 05:28 बजे, अहमदाबाद 07:45 बजे, धांगध्रा 10:03 बजे, सामाख्याली 11:55 बजे, भचाऊ 12:13 बजे, गांधीधाम 12:55 बजे, आदिपुर 13:27 बजे तथा 14:45 बजे भुज पहुंचेगी। यह ट्रेन वर्तमान में संचालित नहीं है। पुनः शुरू होने पर उपरोक्त समय एवं ठहराव के साथ चलेगी।

9. ट्रेन संख्या 12938 हावड़ा-गांधीधाम साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 12938 हावड़ा-गांधीधाम साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 28 मार्च 2022 से छायापुरी स्टेशन 06:50 बजे तथा अहमदाबाद स्टेशन 09:05 बजे पहुंचकर गांधीधाम के लिए प्रस्थान करेगी। अहमदाबाद तथा गांधीधाम के बीच इस ट्रेन के ठहराव एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

10. ट्रेन संख्या 15636 गुवाहाटी-ओखा साप्ताहिक एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 15636 गुवाहाटी-ओखा साप्ताहिक एक्सप्रेस दिनांक 28 मार्च 2022 से छायापुरी स्टेशन पर 11:35 बजे, नडियाद 12:26 बजे तथा 13:50 बजे अहमदाबाद पहुंचकर ओखा के लिए प्रस्थान करेगी। अहमदाबाद तथा ओखा के बीच इस ट्रेन के ठहराव एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

11. ट्रेन संख्या 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस दिनांक 30 मार्च 2022 से छायापुरी स्टेशन पर 11:35 बजे तथा 13:50 बजे अहमदाबाद पहुंचकर गांधीधाम के लिए प्रस्थान करेगी। अहमदाबाद तथा गांधीधाम के बीच इस ट्रेन के ठहराव एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

12. ट्रेन संख्या 22970 वाराणसी-ओखा एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 22970 वाराणसी-ओखा एक्सप्रेस छायापुरी स्टेशन पर 19:56 बजे, आणंद 20:41 बजे तथा 22:20 बजे अहमदाबाद पहुंचकर ओखा के लिए प्रस्थान करेगी। अहमदाबाद तथा ओखा के बीच इस ट्रेन के ठहराव एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

☐ ट्रेन संख्या 14702 बांद्रा टर्मिनस-श्रीगंगानगर एक्सप्रेस ट्रेन का दिनांक 25 मार्च 2022 से अहमदाबाद स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 04:30/04:40 बजे की बजाय 04:35/04:45 बजे रहेगा। अहमदाबाद तथा श्री गंगानगर के बीच इस ट्रेन के ठहराव एवं समय में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .हर्ल्ैब.ग्र्ीर्ईेंग्त,दन.ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

गुजरात सरकार ने पाटीदार आंदोलन के दौरान दर्ज 10 और मुकद्दमे वापस लिए

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने पाटीदार आंदोलन के दौरान दर्ज मामले वापस लेने की शुरुआत कर दी हैं राज्य सरकार ने अब तक अहमदाबाद कोर्ट से 10 जितने मुकद्दमे वापस ले लिए हैं जबकि अन्य तीन मामलों की 15 अप्रैल को सुनवाई होनी हैं गौरतलब है कि वर्ष अगस्त 2015 में पाटीदार आंदोलन के दौरान पास नेता हार्दिक पटेल समेत कई लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए थे राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं और ऐसे में पाटीदार समाज को रिझाने की दिशा में सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं पाटीदारों के खिलाफ दर्ज मुकद्दमे वापस लेने के संदर्भ में पाटीदार समाज की ओर से कई दफा पेशकश की जा चुकी हैं फिलहाल राज्य सरकार ने अहमदाबाद कोर्ट से 10 मुकद्दमे वापस ले लिए हैं यह मामले अहमदाबाद के कृष्णनगर, रामोल, बापूनगर, नरोडा, रामोल, शहर कोटडा, नवरंगपुरा और साबरमती समेत 10 पुलिस थाने में दर्ज किए गए थे जिसमें तीन केस पहले ही वापस लिए जा चुके हैं, जो मेट्रो कोर्ट में विचाराधीन थे आज 7 और मुकद्दमे सरकार ने वापस ले लिए हैं अन्य तीन मामले कोर्ट में विचाराधीन हैं और उस पर 15 अप्रैल को सुनवाई होनी हैं इन मामलों को वापस लेने के अर्जी राज्य सरकार की ओर से कोर्ट में लगा दी गई हैं गौरतलब है वर्ष अगस्त 2015 में पास नेता हार्दिक पटेल ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में बड़ी रैली आयोजित की थी जिसमें लाखों की संख्या में पाटीदार जमा हुए थे रैली के बाद धरने के ऐलान के बाद पुलिस ने भीड़ को तितर बितर करने के लिए लाठी चार्ज किया था बाद में हार्दिक पटेल की गिरफ्तारी के बाद अहमदाबाद समेत राज्यभर में हिंसा भड़क उठी थी हांलाकि उसके बाद राज्य सरकार ने कई आंदोलनकारियों के खिलाफ मुकद्दमे वापस ले लिए थे बाकी मुकद्दमे वापस लेने की राज्य सरकार के समक्ष पास नेता कई बार पेशकश कर चुके हैं इस साल के अंत में होनेवाले गुजरात विधानसभा के चुनाव और पास द्वारा आंदोलन की चेतावनी के बाद सरकार हरकत में आ गई और अहमदाबाद में दर्ज 10 मुकद्दमे वापस लेने का ऐलान किया हैं

सरकार मुकद्दमे जल्द वापस लेती है मिठाई खिलाएंगे, वर्ना करेंगे आंदोलन : हार्दिक पटेल

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रमुख और पास नेता हार्दिक पटेल ने राज्य सरकार द्वारा पाटीदारों के खिलाफ 10 मुकद्दमे वापस लेने की घोषणा किए जाने पर प्रतिक्रिया दी हैं हार्दिक पटेल ने कहा है कि राज्य सरकार पाटीदारों के खिलाफ जल्द से जल्द मुकद्दमे वापस ले लेती है तो उसे मिठाई खिलाएंगे, वर्ना आंदोन करेंगे बता दें कि राज्य सरकार ने आज पाटीदार आंदोलन के दौरान दर्ज 10 मुकद्दमे आज अहमदाबाद की कोर्ट से वापस लेने की घोषणा की हैं यह मामले अगस्त 2015 के दौरान अहमदाबाद शहर के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज किए गए थे हार्दिक पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने 10 मामलों को वापस ले लिए हैं मेरी समाज के कथित नेताओं से अपील है कि वे बगैर सोचे समझे सरकार के प्रति आभार जताने की कोशिश न करें आज जो 10 मामले वापस लिए गए हैं, केवल 1 ही मामला नया हैं जबकि 9 मामले आनंदीबेन पटेल सरकार के दौरान के हैं ये केस उन 246 मामलों में से हैं जो आनंदीबेन पटेल सरकार ने वापस लेने का ऐलान किया था, लेकिन अदालत में इस संदर्भ में कोई कार्यवाही नहीं की गई हार्दिक पटेल ने कहा कि जिन युवाओं ने आनेवाली पीढियों के लिए आंदोलन किया था, उनके खिलाफ दर्ज मुकद्दमे वापस लेकर सरकार उनके साथ न्याय करे, इसकी मांग काफी समय से की जा ही थी मुझे सरकार पर भरोसा है कि वह युवाओं के हित में फैसला करेगी अगर सरकार निकट समय में मुकद्दमे वापस ले लेती है तो गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को मिठाई खिलाने जाऊंगा यदि मुकद्दमे वापस लेने में विलंब किया गया तो फिर एक बार आंदोलन होगा और पाटीदार समाज के युवाओं की आवाज सरकार के समक्ष पहुंचाएंगे गौरतलब है कि शहीद दिवस 23 मार्च से अल्पेश कथीरिया के नेतृत्व में पाटीदार आंदोलन के दौरान दर्ज मुकद्दमों को वापस लेने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान किया जा चुका हैं आंदोलन शुरू होने से ठीक दो दिन पहले 10 मुकद्दमे वापस लेकर फिलहाल आंदोलन की आग को ठंडा जरूर कर दिया हैं दूसरी ओर पास कन्वीनर अल्पेश कथीरिया ने 10 मुकद्दमे वापस लेने के संदर्भ में कहा कि अभी केवल शुरुआत हुई हैं अब भी कई मामले वापस लिए जाने बाकी हैं सरकार इन मामलों में क्या कार्यवाही करती है, जिसे देखने के बाद आगे की रणनीति तय करेंगे उन्होंने कहा कि पाटीदार आंदोलन के दौरान मारे गए युवकों के परिवार को नौकरी देने का सरकार ने वादा किया था, जो अब तक पूरा नहीं हुआ हैं इसके अलावा अब भी 140 जितने मामले वापस लिए जाने बाकी हैं

राज्य के 5 महानगरों और 32 जिलों में कोरोना का एक भी नया केस नहीं

अहमदाबाद (ईएमएस) सोमवार को गुजरातभर में कोरोना के केवल 13 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 36 लोगों को डिस्चार्ज किया गया राज्य के 5 महानगर और 32 जिलों में कोरोना का एक भी मरीज पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ वहीं 4 महानगर और 25 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं हैं दूसरी ओर आज राज्यभर में 1.83 लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया गया स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 6, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 5, दाहोद और गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 1-1 समेत राज्यभर में कोरोना के 13 नए केस दर्ज हुए हैं वहीं अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, डांग, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, खेडा, कच्छ, महीसागर, मेहसाणा, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा, वलसाड समेत 32 जिले और सूरत, राजकोट, जूनागढ़, जामनगर और भावनगर समेत 6 महानगर पालिकाओं में पिछले 24 घंटों में एक भी कोरोना पॉजिटिव केस सामने नहीं आया फिलहाल राज्य में कोरोना के 326 सक्रिय मरीजों में 321 स्टेबल हैं और 5 वेन्टीलेटर पर हैं अब तक 1212513 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं और 10941 मरीजों की मौत हो चुकी हैं सोमवार को राज्यभर में 183388 नागरिकों का वैक्सीनेशन किया गया जिसमें 18 वर्ष से अधिक आयु के 2043 को पहला और 17589 दूसरा डोज दिया गया 15 से 18 वर्षीय 1445 किशोरों को पहला और 8667 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई 12 से 15 वर्षीय 144006 किशोरों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया जबकि 8638 नागरिकों को प्रीकॉशन डोज दिया गया राज्य में अब तक 104893979 नागरिकों को वैक्सीनेट किया जा चुका हैं

24 मार्च से आणंद व खंभात के बीच चार अतिरिक्त डेमू ट्रेनें चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग व उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए 24 मार्च से आणंद-खंभात रेलखंड पर चार जोड़ी अतिरिक्त ट्रेनें प्रारंभ की जा रही हैं। यह ट्रेनें प्रतिदिन चलेगी एवं खंड के सभी स्टेशनों पर ठहरेगी। वडोदरा डिविजन के पीआरओ प्रदीप शर्मा के अनुसार इन ट्रेनों की विस्तृत जानकारी निम्नानुसार है।

1. ट्रेन नं. 09362 खंभात-आणंद डेमू प्रातः 9:10 बजे खंभात से चलकर प्रात 10:50 बजे आणंद पहुंचेगी।

2. ट्रेन नं. 09365 आणंद-खंभात डेमू प्रातः 11:25 बजे आणंद से चलकर 13:15 बजे खंभात पहुंचेगी।

3. ट्रेन नं. 09363 आणंद-खंभात डेमू रविवार को छोड़ कर 13:35 बजे आणंद से चलकर 15:20 बजे खंभात पहुंचेगी।

4. ट्रेन नं. 09376 खंभात-आणंद डेमू 15:45 बजे खंभात से चलकर 17:25 बजे आणंद पहुंचेगी।

उपरोक्त ट्रेनें वर्तमान में इस खंड पर चल रही दो जोड़ी ट्रेनों के अतिरिक्त हे तथा 24 मार्च से इस खंड पर चार जोड़ी ट्रेन प्रतिदिन चलेगी। यह सभी ट्रेन है दोनों दिशाओं में इस खंड के वल्लभ विध्यानगर, करमसाद, अगास, भाटियाल, पेटलाद, पंडोरी, नार टाउन, तारापुर, यावरपूरा, सायमा, कालीतलावडी स्टेशनों पर ठहरेगी।

अक्षयकुमार की अहमदाबाद में भोपाल, सिंधु सर्किलसे रिवरफोर्ट में देखीगई बच्चन पांडे की सवारी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षयकुमार अपनी बहुप्रतीक्षित एक्शन कॉमेडी 'बच्चनपांडे' का धमाकेदार तरीके स प्रचार कर रह हैं।बतादे कि फिल्ममें खिलाडी कुमार के अलावा कृतिसेनन, जैकलीनफर्नांडीज और अरशदवारसी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अक्षय अपनी फिल्म का प्रचार बेहद अलग अंदाज में कर रहे हैं, दरअसल, सुपरस्टारने 'बच्चन पांडे की सवारी' को हरी झंडी दिखाई है, जो एक ट्रक की सवारी है जो मुंबई से दिल्ली के शहरों की यात्रा करेगी।

फिल्म म जैसा की अक्षय का किरदार ट्रक चलाते हुए नजर आता है और ऐसे में यह फिल्म का एक मुख्य आकर्षण है, इस तरह से फिल्म के निर्माताओंने एक ट्रक में अपनी तरह की एक सड़क यात्रा की योजना बनाईथी, जिसे जुहू (मुंबई) में सन-एन-सैंड होटल से शुरू करने के बाद, 15 मार्च को अहमदाबाद में भोपाल से होते हुए सिंधु सर्किल से रिवरफोर्टयाना फाइनल लोकेशन पर देखा जाएगा।बतादेंकि 'बच्चन पांडे की सवारी अपनी यात्रा के दौरान अलग-अलग जगहोंपर देखी जानेवाली है।

हमारे गुरुकुल के विद्यार्थियों के परिवारों की सामूहिक शक्ति को आज़ादी का अमृत महोत्सव में एक जुट करें : पीएम मोदी

- भारत में गुरुकुल परम्परा को पुन: प्रस्थापित कर भारत को श्रेष्ठ बनाएँ : मुख्यमंत्री

- एउञ्ङ में 'धर्मजीवन गाथा' ग्रंथ के विमोचन कार्यक्रम में मोदी रहें वर्चुअली उपस्थित, पटेल हुए सहभागी

अहमदाबाद (ईएमएस) अहमदाबाद के सरखेज-गांधीनगर राजमार्ग पर स्थित एसजीवीपी गुरुकुल में आयोजित भाववंदना पर्व को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनके द्वारा दिया गया 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के सूत्र के मूल में पूज्य शास्त्रीजी-स्वामी धर्मजीवनदासजी के विचार शामिल है। इस अवसर पर स्वामी श्री माधवप्रियदासजी लिखित 'धर्म जीवन गाथा' ग्रंथ का विमोचन के असवर पर भारी भीड़ को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामिनारायण संप्रदाय के सभी सत्संगी स्वदेशी के विचार को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है। उन्होंने संतों को संत्संगियों के परिवारजनों की सामूहिक शक्ति को जोड़कर आज़ादी का अमृत महोत्सव में योगदान देने के लिए अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छ भारत के निर्माण में सत्संगियों की सामूहिक शक्ति बहुत उपयोगी हो सकती है। इस अवसर पर स्वामी श्री माधवप्रियदासजी लिखित 'धर्मजीवन गाथा' ग्रंथ की प्रथम प्रति मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को सौंपी गई।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी श्री धर्मजीवनदासजी ने भगवान स्वामिनारायण द्वारा प्रचारित शिक्षापत्री के संदेश को जीवन में उतारकर समाज के निर्माण का कार्य किया है। इस असवर पर मुख्यमंत्री ने भारत के गुरुकल परम्परा का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरुकुल परम्परा को पुनः स्थापित कर हम 'श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार कर सकते है। मुख्यमंत्री ने इस असवर पर समाज को व्यसनमुक्त बनाने में स्वामिनारायण संप्रदाय द्वारा निभाई गई भूमिका की भी सराहना की।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला, अहमदाबाद शहर के महापौर किरीट परमार, कृषि मंत्री राधवजी पटेल, दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश डी. एन. पटेल तथा स्वामिनारायण संप्रदाय के संत तथा विशाल संख्या में हरिभक्त उपस्थित थे।

'आप' ने दो दिग्गज नेताओं को सौंपी गुजरात की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

अहमदाबाद (ईएमएस) दिल्ली के बाद पंजाब में सरकार बनाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने अब देश के अन्य राज्यों पर पकड़ मजबूत करने की कवायद तेज कर दी हैं गुजरात विधानसभा के इस साल के अंत में चुनाव होनेवाले हैं, जिसे लेकर आप ने कमर कस ली हैं आप ने पार्टी के दो दिग्गज नेताओं को गुजरात की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी हैं आप ने प्रो. संदीप पाठक को गुजरात का पार्टी प्रभारी बनाया है, जबकि सह प्रभारी गुलाबसिंह यादव को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया हैं आप ने इसकी अधिकृत घोषणा भी कर दी हैं आप ने देश के 9 राज्यों में संगठन को मजबूत करने की दिशा में कवायद तेज कर दी है और इन राज्यों में लोगों को अलग अलग जिम्मेदारी सौंप दी हैं आप अब असम से तेलंगाणा तक चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं गुजरात की जिम्मेदारी संदीप पाठक को सौंपी गई है, जिन्हें आप पंजाब से राज्यसभा भेज रही हैं पंजाब विधानसभा के चुनाव में आप ने शानदार जीत दर्ज कर सरकार बना ली है और इस जीत का श्रेय प्रो. संदीप पाठक को दिया जा रहा हैं संदीप पाठक आईआईटी-दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में जाने जाते हैं अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार मुक्त भारत के सपने को साकार करने के लिए संदीप पाठक आम आदमी पार्टी में शामिल हुए थे संदीप पाठक ने 2011 में केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी (यूके) में पीएचडी की थी, जिसके बाद कई सालों तक वह पर्दे के पीछे रहकर काम करते रहें संदीप पाठक ने पंजाब में आप के संगठन को मजबूत किया राज्य में वास्तिवक और वैज्ञानिक सर्वेक्षण, उम्मीदवारों के चयन समेत पंजाब में पार्टी की शानदार जीत की पूरी रणनीति में संदीप पाठक की बड़ी भूमिका बताई जा रही हैं अब देखना होगा कि आप के गुजरात प्रभारी संदीप पाठक गुजरात विधानसभा के चुनाव पार्टी को कितनी सफलता दिला पाते हैं आप ने गुजरात के अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़, राजस्थान, असम तेलंगाना और केरल समेत 9 राज्यों विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियां शुरू कर दी हैं

राजकोट शहर में चौंकाने वाली घटना

नींद में मां के पैर के नीचे दम घुट जाने से बच्चे की मौत

राजकोट, २१ मार्च ।

शहर में चौंकाने वाली घटना सामने आई है । शहर के नीलकंठ पार्क में रहते परिवार का ४० दिन के बेटे की मौत हुई है । मां को सर्दी होने पर बच्चे को संक्रमण नहीं लगे इसके लिए अपने पैर के पास सुलाया था और खुद सर्दी की दवाई पीकर सो गई थी । जिसकी वजह से मां के पैर के नीचे दम घुट जाने से बच्चे की मौत हुई है । हालांकि यह बात की जानकारी मिलने पर मां सहित परिवार शोक में डूब गया है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के कोठारिया रोड पर के नीलकंठ पार्क में रविभाई जानियाणी का परिवार रहता है । जहां दुखद घटना हुई है । उनके घर पर ४० दिन पहले ही बेटे का जन्म हुआ था ।इसकी मां को सर्दी हो गई थी ।जिसकी वजह से इसका संक्रमण बेटे को नहीं लग जाए इसी वजह से इसने अपने लाडले को कमर से नीचे पैर के पास सुलाया था ।

रात को चार बजे के करीब पिता रविभाई उठ गये ।तब पत्नी के पास सोये हुए बेटे पर ध्यान गया था । यह जाने के साथ ही उन्होंने पत्नी को उठाया था । ४० दिन का बेटा मां काजलबहन के पैर के नीचे दब गया था । इसे बाहर निकाला लेकिन वह बेहोश हो गया । जिसके बाद तुरंत ही बेटे को अस्पताल में ले गये । लेकिन इसकी मौत हुई थी । यह सुनने के साथ ही परिवार में शोक की लहर फैल गई । उल्लेखनीय है कि, रविभाई पूठा का बनाने का कारखाना है । ४० दिन पहले ही बेटे के जन्म की वजह से घर में खुशी का माहौल था जो मातम में फैल गया । कुछ दिन पहले अमरेली के वडीया के एक गांव में ४ महीने के बच्चे की मौत हुई थी । तहसील के ढुंढीया पीपलिया गांव में ममता दिवस मनाने के तहत बच्चे को विभिन्न वैक्सीन देने का कार्यक्रम आयोजित हुआ । डेढ़ महीने के बच्चे को पंचगुणी वैक्सीन देने के बाद अचानक इसकी तबियत बिगड़ गई थी और आधे घंटे में ही इस बच्चे की मौत होने पर प्रशासन सक्रिय हो गया ।

यात्रियों ने एसटी रोकने पर नशे में धूत ड्राइवर-कंडक्टर फरार

अहमदाबाद, २१ मार्च ।

एसटी की यात्रा सुरक्षित यात्रा का दावा उच्च अधिकारियों की एसी चैंबर में बैठकर निर्णय लेने की नीति की वजह से फ्लोप साबित होने की घटना हुई है ।वासणा के पास रविवार को सुबह में तेज रफ्तार से चल रही एसटी बस में बैठे यात्रियों को जान खतरे में लगने पर बस खड़ी रखवाकर नशे में धूत ड्राइवर-कंडक्टर बस छोड़कर भाग गये ।पुलिस को जानकारी दिए जाने पर जांच के दौरान बस में से शराब की ६ बोतल भी मिली । वासणा पुलिस कंट्रोल रुम के मैसेज आधार पर वासणा बीआरटीएस बस स्टैंड के पास पहुंची तब कंट्रोल रुम को फोन करके शिकायत करने वाला यात्री दूसरी बस में बैठकर रवाना हो गया ।पुलिस ने स्थल पर मौजूद अन्य यात्रियों के साथ बात करने पर उन्होंने बताया कि, जीजे-१८-जेड-३१६३ नंबर की झालोद, दाहोद, मोरबी और टंकारा की एसटी बस का ड्राइवर तेजी से बस चला रहे होने से बस धीरे चलाने के लिए कहा लेकिन वह बस धीरे नहीं चला रहा था । बस रुकवाने पर ड्राइवर-कंडक्टर दोनों नशे में होने की जानकारी हो गई वह स्थल से फरार हो गये । पुलिस ने एसटी बस में जांच करने पर ड्राइवर केबिन के पास सीट की बगल में ब्लू तथा ग्रे पट्टावाली बैग मिली जिसमें से अंग्रेजी शराब की १८० एमएल की एक ऐसी ६ बोतल ७६० रुपये की कीमत की मिल गई । वासणा पुलिस ने प्रोहीबिशन एक्ट के अनुसार अपराध दर्ज करके एसटी बस और शराब की मात्रा जब्त करके जांच शुरू कर दी है ।

FMCG में प्राकृतिक उत्पादों का बाजार जल्दी पहुंचेगा 25%

अल जिदान समूह गुजरात एफएमसीजी खंड में प्रवेश

वर्तमान समय में हमने स्वास्थ्य, मन की शांति और वास्तविक सुख जैसी सबसे महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय भौतिक सुख पर अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया है।

इस हैरान करने वाले सवाल के जवाब में एक नाम जो दिमाग में आता है वह है अल जिदान।

अल जिदान लिमिटेड आपके लिए ऐसे एफएमसीजी उत्पाद पेश कर रहा है जो बिना किसी सिंथेटिक रसायन और कृत्रिम अवयवों के मिश्रण के बिना 100% शुद्ध प्रक्रिया है और इसकी मूल गुणवत्ता है जो सीधे अपने निर्माता से ग्राहक की खपत तक पहुंचती है।

अल जिदान लिमिटेड के सभी उत्पाद भारतीय, अमेरिकी और ब्रिटिश गुणवत्ता मानकों के तहत प्रमाणित हैं, और एक स्वास्थ्य उद्देश्य की देखरेख में एक प्रतिष्ठित स्वास्थ्य विशेषज्ञ द्वारा संसाधित और पैक किए जाते हैं, ताकि उपभोक्ता के साथ किसी भी समस्या का कोई सवाल न हो। स्वास्थ्य। मत रहो।

गौरतलब है कि अल जिदान लिमिटेड अल जिदान ग्रुप ऑफ कंपनीज का एक हिस्सा है, जो अल मंजल ज्वैलर्स और अल दिनार फैशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ पिछले 3 सालों से बाजार में है। के माध्यम से ग्राहकों का विश्वास बनाने में सफल रहा है अल ज़ीदान समूह का यह स्वास्थ्य उन्मुख उद्यम हर रसोई तक पहुंचेगा और एफएमसीजी उत्पादन के क्षेत्र में एक अग्रणी कंपनी के रूप में जाना जाएगा।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95